सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number : F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 64, नई दिल्ली । गुरुवार, 16 मई 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

कुछ लोग केवल सफल होने के सपने देखते हैं जबकि अन्य लोग जाते हैं और इसके लिए कठिन मेहनत करते हैं।

03 पाकिस्तान से आए हिंदू शरणार्थी अब बने भारत के नागरिक....
06 मंडी सीट पर कांटे की रोचक टक्कर
08 दिल्ली के 25000 गेस्ट टीचर्स की सेवाए समाप्त

क्या आप जानते हैं:- मोटर वाहन नियम के अंतर्गत सिर्फ वाहन मालिक और चालक ही गुनाहगार है सरकारी विभाग और सरकारी अधिकारी नही, ऐसा क्यों ?

संजय बाटला

सड़को पर जाम लगवाने वाला,
सड़को पर हादसे का रास्ता बनाने वाला,
सड़को पर असुरक्षा पैदा करवाने वाला,
भारत सरकार, राज्य सरकारो और न्यायिक प्रणाली (जिला न्यायालय, उच्च न्यायालय एवम्शीर्ष न्यायलय) के अनुसार सजा का हकदार नहीं है आख़िर ऐसा क्यो ? क्या मोटर वाहन नियम/ अधिनियम / धाराएं और क़ानून सिर्फ आम जनता से जुर्माने के नाम पर राजस्व वसुलना, जनता को सजा देना और परेशान करना ही है। क्या ऐसे नियमों से जाम मुक्त सड़के उपल्ब्ध हो पाएगी किसी भी आज से आने वाली पीढ़ी को ?

क्या ऐसे नियमों से दुर्घटना मुक्त सड़के उपल्ब्ध हो पाएगी किसी भी आज से आने वाली पीढ़ी को ?

क्या ऐसे नियमों से सुरक्षित यातायात व्यवस्था उपल्ब्ध हो पाएगी किसी भी आज से आने वाली पीढ़ी को ?

क्या सिर्फ वाहन चालक और वाहन मालिक ही है इन सभी के जिम्मेदार, बड़ा सवाल ?

टूटी फूटी सड़के, कच्ची सड़के, धूल मिट्टी कचरे से भरी सड़के, बदहाल स्थिति में सड़के ऊपर से रेहड़ी, पटरी, खोमचो से भरी सड़के, अवैध पार्किंग से भरी सड़के, अवैध वाहनों से भरी सड़के, गलत तरीके से सड़कों पर सवारी उतारते चढ़ाते वाहन, खराब लाईट, खराब सिग्नल पर कैमरे चालू, चालान काटे जाना चालू पर किसका जिसकी गलती या होगी नही या औरो के आगे होगी बहुत कम,

क्या इसी कार्यशैली के दम पर सुरक्षित सार्वजनिक सवारी सेवा उपल्ब्ध करवाएगा प्रशासन, सबसे महत्त्वपूर्ण सवाल ?

विश्वास माने सड़क सुरक्षा के लिए दिन रात जुटे कार्यकर्ता भी एक दिन थक हार कर घर बैठ जाएंगे क्योंकि जिनके कारण सड़क पर असुरक्षा की स्थिती उत्पन्न हो रही है उनको ना डर है ना खौफ और ना ही उनको इसके प्रति कानून में सजा।

जाम ही जाम:- रोड नंबर 57 कृष्णा नगर रेड लाइट जीएनसी सर्कल पुलिस स्टेशन

रोड नंबर 57 कृष्णा नगर रेड लाइट पर बड़ी समस्या है जिसके कारण यहां बहुत ज्यादा जाम लगता रहता है। इस रेड लाइट से 60 फुटा रोड विश्वास नगर की और जाने वाले लोग जा नहीं पाते क्योंकि रोड नंबर 57 पर आने जाने वाला ट्रैफिक पूरी सड़क पर फैल कर उन्हे आने का रास्ता नही देते जिस वजह से ट्रैफिक पुलिस के जवानों को भी घंटो लग जाते है जाम खुलवाने के लिए

समस्या का समाधान :- कृष्णा नगर रेड लाइट 60 फुटा रोड विश्वास नगर के बीच जर्सी बैरियर लगवा दिए जाए जिससे रोड नम्बर 57 पर खड़े वाहन रोड नम्बर 60 से आने वाले वाहनों का रास्ता नही रोक पायेंगे। इस समस्या के समाधान हेतु इस क्षेत्र यहां के यातायात एसीपी उधम सिंह थाना

फर्श बाजार शाहदरा सर्कल से भी बात कर जल्द समाधान के लिए प्रार्थना की है और उन्होंने हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया है। एसीपी साहब की कार्यशैली बहुत अच्छी लगी क्योंकि वह ट्रैफिक की हर छोटी बड़ी समस्या की गंभीरता को समझते हुए उसके समाधान का तत्काल प्रयास कर जनता को जाम मुक्त और सुरक्षित सड़के उपल्ब्ध करवाने के लिए प्रयत्नशील रहते हैं।

जगमोहन सिंह ओमनी रोड सेफ्टी फाउंडेशन

सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा : गुरुग्राम में गड्ढों की समस्या से निपटने के लिए प्रमुख पहल

परिवहन विशेष न्यूज

गुरूग्राम। सड़क सुरक्षा बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम में, गुरूग्राम ट्रैफिक पुलिस ने स्विगी के सहयोग से शहर के प्रमुख स्थानों पर गड्ढों की मरम्मत के लिए एक अग्रणी पहल शुरू की है। यह अभियान, व्यापक "सुरक्षित रूप से वितरित करना" पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य सभी यात्रियों के लिए सुरक्षित सड़कें बनाना है।

हैशटैग #Swiggydeliveringsafely द्वारा मनाई गई यह पहल एक अद्वितीय सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल का प्रतीक है। स्विगी, एक प्रमुख खाद्य वितरण मंच, ने गड्ढों की पहचान करने और उन्हें ठीक करने के लिए ट्रैफिक पुलिस के साथ हाथ मिलाया है, जिससे उनके डिलीवरी कर्मियों और आम जनता दोनों के लिए आसान और सुरक्षित सवारी सुनिश्चित हो सके।

सार्वजनिक सुरक्षा और सामुदायिक सहभागिता

सामुदायिक जुड़ाव और सड़क सुरक्षा की दिशा में एक अभिनव कदम के रूप में गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस और स्विगी के बीच सहयोग की सराहना की जा रही है। प्रयास न केवल तत्काल मरम्मत पर केंद्रित हैं, बल्कि गड्ढों की आवर्ती समस्या के दीर्घकालिक समाधान बनाने पर भी केंद्रित हैं, जो मोटर चालकों, साइकिल चालकों और पैदल यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण जोखिम पैदा करते हैं।

सड़क सुरक्षा अभियान को मिली गति "Project #Gaddhasur, Pot Hole Kills"

यह पहल परिवहन विशेष के साथ मिलकर रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन के नेतृत्व में चल रहे "गड्ढासुर" अभियान का पूरक है। यह अभियान गड्ढों से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में सहायक रहा है। गंभीर गड्ढों वाले महत्वपूर्ण क्षेत्रों को उजागर करके, अभियान तत्काल कार्रवाई के लिए सार्वजनिक और प्रशासनिक समर्थन जुटाने में सफल रहा है। रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन के एक प्रवक्ता ने कहा, "सड़क सुरक्षा एक साझा जिम्मेदारी है।" "हमारे अभियान, 'गद्दासुर, "Gaddhasur, Pot hole Kills" ने इस मुद्दे पर बहुत जरूरी ध्यान आकर्षित किया है, और हम अधिकारियों को सक्रिय कदम उठाते हुए देखकर रोमांचित हैं।"

पुलिस-सार्वजनिक तालमेल

पुलिस और जनता के संयुक्त प्रयासों की व्यापक सराहना हुई है। इस पहल में स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी देखी गई है, जिन्होंने गड्ढों की रिपोर्ट करके और मरम्मत कार्य का समर्थन करके योगदान दिया है। अधिकारियों और नागरिकों के बीच यह तालमेल शहरी बुनियादी ढांचे की चुनौतियों से निपटने में सहयोगात्मक कार्रवाई की शक्ति का उदाहरण देता है।

सकारात्मक स्वागत और भविष्य की संभावनाएँ

इस पहल को उन निवासियों और यात्रियों से व्यापक प्रशंसा मिली है जिन्होंने चिकनी सड़कों के लाभों का अनुभव किया है। स्थानीय निवासी राजेश कुमार ने कहा, "लंबे समय से चली आ रही समस्या के प्रति इतना सक्रिय दृष्टिकोण देखना सुखद है।" "स्विगी और ट्रैफिक पुलिस के बीच साझेदारी सभी के लिए फायदेमंद है।" आगे बढ़ते हुए, गुरुग्राम में इस पहल की सफलता समान बुनियादी ढांचे के मुद्दों से जूझ रहे अन्य शहरों के लिए एक मॉडल के रूप में काम कर सकती है। अधिकारियों को उम्मीद है कि निरंतर प्रयासों और निरंतर सामुदायिक भागीदारी से अधिक लचीला और सुरक्षित शहरी वातावरण तैयार होगा. सड़क सुरक्षा ओमनी फाउंडेशन और परिवहन विशेष के गद्दासुर अभियान के माध्यम से बढ़ाई गई जागरूकता से समर्थित, गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस और स्विगी के बीच सहयोग सुरक्षित सड़कों की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है। जैसे-जैसे यह पहल आगे बढ़ती है, यह नवीन साझेदारी और समुदाय के महत्व पर प्रकाश डालती है।

डॉ अंकुर शरण, राष्ट्रीय मुख्य यातायात एवं नियोजन अधिकारी सड़क सुरक्षा ओमनी फाउंडेशन
roadsafetysquad@gmail.com

द्वारका एक्सप्रेसवे में मुख्य अंडरपास जून के आखिर तक हो सकता है चालू, जानें डिटेल्स

द्वारका एक्सप्रेसवे पर एक महत्वपूर्ण अंडरपास, जो बसाई रोड ओवर ब्रिज को सेक्टर 102 और 102A से जोड़ेगा, अगले महीने के आखिर तक चालू हो सकता है....

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। द्वारका एक्सप्रेसवे पर एक महत्वपूर्ण अंडरपास, जो बसाई रोड ओवर ब्रिज को सेक्टर 102 और 102A से जोड़ेगा, अगले महीने के आखिर तक चालू हो सकता है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है।

अंडरपास का लगभग 95 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और यह सड़क 24 करोड़ रुपये की लागत से बनाई जा रही है। यह 584 मीटर लंबा है और इसमें दोनों तरफ यातायात की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए चार लेन हैं। एनएचएआई के अधिकारियों ने बताया कि एक बार बनने के बाद, अंडरपास हीरो होंडा चौक से विपरीत दिशा में विभिन्न आवासीय क्षेत्रों तक यातायात की आवाजाही को आसान बना देगा।

नया अंडरपास हीरो होंडा चौक को द्वारका एक्सप्रेसवे के दोनों ओर से भी जोड़ेगा, विशेष रूप से पश्चिमी तरफ के छह सेक्टरों को आसान पहुंच मिलेगी। जिनमें सेक्टर 102, 102A, 103, 106, खेड़की डाबरा, बसाई, धनकोट और अन्य आसपास के क्षेत्र शामिल हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एनएचएआई के एक वरिष्ठ अधिकारी से जब परियोजना की

स्थिति के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने बताया कि अंडरपास का काम लगभग पूरा हो चुका है और वे इसे अंतिम रूप दे रहे हैं। उन्होंने कहा, ₹हम जून के आखिर तक परीक्षण शुरू करने की योजना बना रहे हैं और इसे 30 जून तक चालू कर देंगे।"

जीएमडीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह अंडरपास भविष्य में सेक्टर 102-102A से झज्जर के भासड़ा गांव में एम्स को जोड़ने वाली एक प्रस्तावित सड़क से भी जुड़ेगा। जिससे गुरुग्राम के निवासियों को इस सड़क का इस्तेमाल करके झज्जर और उससे आगे के अस्पताल तक पहुंचने की अनुमति मिलेगी। उन्होंने बताया कि सड़क का निर्माण लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जाएगा और यह गुरुग्राम के मंडकोला, बुढेड़ा, धनकोट और खेड़की डाबरा गांवों से होकर गुजरेगी। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है।

एर्नाकुलम में 16 मई से फिर से शुरू होगा टेस्ट, ड्राइविंग स्कूल मालिक आंशिक रूप से हुए सहमत....

एर्नाकुलम जिले में लगभग दो हफ्तों के बाद ड्राइविंग टेस्ट गुरुवार से फिर से शुरू होने वाला है। क्योंकि विरोध प्रदर्शन कर रहे ड्राइविंग स्कूल मालिकों के एक वर्ग ने अस्थायी रूप से अपनी हड़ताल वापस लेने पर सहमति जता दी है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। ऑल केरल ड्राइविंग स्कूल वर्कर्स यूनियंस (CITU) के उपाध्यक्ष, टी पी बैजू ने बताया, "मंगलवार को विभिन्न यूनियनों की एक बैठक हुई और उन्होंने गुरुवार से अस्थायी रूप से टेस्ट की सुविधा देने पर सहमति जताई। हम उसी दिन से उम्मीदवारों को टेस्ट के लिए लाना शुरू कर देंगे।

टेस्ट को फिर से शुरू करने का प्रस्ताव सीटू का है, जिसने हड़ताल से अस्थायी रूप से वापसी की है।

ऑल केरल मोटर ड्राइविंग स्कूल इंस्ट्रक्टर एंड वर्कर्स एसोसिएशन के क्षेत्रीय सचिव, अरुण कुमार ने कहा, ₹संयुक्त संगठनों का मंच भी इस पर सक्रिय रूप से विचार कर रहा है। क्योंकि हम सैकड़ों उम्मीदवारों द्वारा सामना की जा रही कठिनाई को और लंबा नहीं करना चाहते हैं।₹

हालांकि MVD बिना किसी ड्राइविंग स्कूल की मदद के सीधे तौर पर आने वाले व्यक्तिगत उम्मीदवारों के लिए ड्राइविंग टेस्ट आयोजित कर रहा है। लेकिन ऐसे कुछ ही उम्मीदवार परीक्षा के लिए आ रहे हैं।

अकेले एर्नाकुलम क्षेत्र में लगभग 10,000 आवेदकों को अभी तक टेस्ट की तारीख नहीं मिली है। जबकि पूरे राज्य में लगभग 10 लाख आवेदन लंबित हैं। सोमवार को, संयुक्त मंच ने सचिवालय तक एक विरोध मार्च निकाला, जिसमें सरकार से ड्राइविंग टेस्ट के पुराने फॉर्मेट पर वापसी की मांग की गई।

परिवहन विभाग ने 1 मई को पेश किए गए कुछ नए ड्राइविंग टेस्ट नियमों में बदलाव कर दिया। लेकिन विभिन्न संघ मुख्य रूप से दो मामलों पर समाधान चाहते हैं - प्रतिदिन आयोजित किए जा सकने वाले ड्राइविंग टेस्ट की संख्या और बदला हुआ रोड टेस्ट और ग्राउंड टेस्ट का फॉर्मेट।

नए नियमों के अनुसार, पहले की 120 की संख्या के बजाय अब सिर्फ 40 ड्राइविंग टेस्ट प्रतिदिन आयोजित किए जा सकते हैं। जिसे ड्राइविंग स्कूल आवेदनों के भारी बैकलॉग के मद्देनजर "बहुत अपर्याप्त" बता रहे हैं।

पर्यावरण पाठशाला : पेड़ की तरह, हम भी अपने जीवन को फिर से विकसित और पुनर्निर्माण कर सकते हैं : अंकुर

एक खेत के मध्य में, एक विशाल आम का पेड़ खड़ा था। यह लंबा, मजबूत था और वहां से गुजरने वाले सभी लोग इसकी प्रशंसा करते थे। लेकिन एक दुर्भाग्यपूर्ण दिन, यह पेड़ काट दिया गया, और पीछे केवल एक बेजान ठूँठ रह गया। कई लोगों के लिए, यह कहानी का अंत होगा। फिर भी, इस पेड़ के लिए, यह एक नए अध्याय की शुरुआत थी।

ठूंठ में तब्दील हो जाने के बावजूद पेड़ ने निराशा नहीं जताई। इसने अपने दुर्भाग्य के सामने झुकने से इनकार कर दिया। दिन-ब-दिन, इसे नीचे की समृद्ध मिट्टी और ऊपर से पौष्टिक बारिश से ताकत मिलती रही। धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से, ठूंठ से नई कोपलें निकलने लगीं और छोटे-छोटे आम दिखाई देने लगे। यह पेड़, जिसने दुर्गम बाधाओं का सामना किया था, एक बार फिर बड़ा होना शुरू हुआ।

समय के साथ, पेड़ ने अपना पूर्व गौरव पुनः प्राप्त कर लिया, एक बार फिर से ऊँचा और गौरवान्वित होकर खड़ा हो गया। यह प्रेरक पेड़ और आशा का प्रतीक बन गया, जिसने इसके पुनर्जन्म को देखने वाले सभी लोगों को जीवन और दृढ़ता के बारे में एक अमूल्य सबक सिखाया।

पेड़ से सबक

जीवन नए सिरे से शुरू हो सकता हैः पेड़ की कहानी हमें सिखाती है कि जीवन किसी भी बिंदु से फिर से शुरू हो सकता है। परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी विकट क्यों न हों, एक नई शुरुआत की संभावना हमेशा बनी रहती है। पेड़ की तरह, हम भी अपने जीवन को फिर से विकसित और पुनर्निर्माण कर सकते हैं, चाहे चीजें कितनी भी निराशाजनक क्यों न लगें।

भीतर से शक्ति प्राप्त करें:

जिस प्रकार पेड़ ने धरती और बारिश से भोजन प्राप्त किया, उसी प्रकार हम भी अपने भीतर और अपने आस-पास के समर्थन से शक्ति पा सकते हैं। आंतरिक लचीलापन और बाहरी समर्थन हमें सबसे कठिन समय से उबरने में मदद कर सकता है।

साहस ही कुंजी है:

पेड़ की पुनः वृद्धि जीवित रहने और फलने-फूलने के अटूट दृढ़ संकल्प से प्रेरित थी। हमारे जीवन में चुनौतियों का डटकर सामना करने और आगे बढ़ने में साहस अहम भूमिका निभाता है। यह बहादुरी ही है जो हमें हर गिरावट के बाद फिर से खड़े होने के लिए प्रेरित करती है।

निराशा और निराशा के क्षणों में, जब हार मानना ही एकमात्र विकल्प लगता है, तो लचीले पेड़ की कहानी याद रखें। जीवन कहीं से भी शुरू हो सकता है; बस आगे बढ़ते रहने के लिए साहस की जरूरत है। आपके वर्तमान संघर्ष आपके भविष्य को परिभाषित नहीं करते हैं। दृढ़ संकल्प और आशा के साथ, आप भी उठ सकते हैं, बढ़ सकते हैं और दूसरों को प्रेरित कर सकते हैं।

अपनी आंतरिक शक्ति को अपनाएं, जरूरत पड़ने पर समर्थन मांगें और हमेशा एक नई शुरुआत की संभावना पर विश्वास करें। पेड़ की तरह, आप जीत हासिल कर सकते हैं, फल-फूल सकते हैं और अपने आस-पास के लोगों को जीवन का सबसे बड़ा सबक सिखा सकते हैं।

Email : indiangreenbuddy@gmail.com

संस्कारशाला

पुरानी एलबम के रिश्ते
आज भी नए से लगते हैं।
खड़े थे फोटो में जो पास
आज ज़रा दूर दिखते हैं...

मां आज भी लगती हैं
छुई-मुई सी इक अल्हड़ लड़की,
पिता बड़े गोल कालर की
छींटदार कमीज़ पहने
देवानंद से नौजवान दिखते हैं...

टैक्सला के ब्लैक एंड व्हाइट टीवी पर
कुहनी रख खड़ी बहन,
क्रोशिए के रंगीन कवर पर सजा
लाल फूलों वाला गुलदस्ता सी लगती
है...
स्टूडियो में बड़ा सा चश्मा लगाए
तिरछे होकर देखते भईया
किसी बच्चन खन्ना से बड़े
कोई फिल्म स्टार से लगते हैं....

स्कूल ग्रुप फोटो के सारे बच्चे
बूढ़े हो गए लेकिन आज भी
घास पर पालथी मार बैठे
पहले सी शरारत से फूले
रंगीन गुब्बारे से लगते हैं....

ताजमहल के अहाते में पड़ी बैंच पर
पूरे परिवार संग बैठी मैं
और मेरी चुटिया में बंधे साटिन के
रिबन
आज भी गुलाब के किसी फूल से
ज्यादा
महकते दिखते हैं...

दीदी की आँखों के कोनों से
बाहर तक खिंचे काजल के 'कान्ने'
उसके ईस्टमैनकलर सपनों की
ब्लैक एंड व्हाइट कहानी कहते हैं...

नए लैम्ब्रैटा की फोटो में
छींट की सूती साड़ी पहन
पापा के कंधे पर हाथ टिकाए
उनके पीछे बैठी मां
जीवन की आपाधापी में ठहरे
घड़ीभर सुस्ताते दिखते हैं....

....पुरानी एलबम के रिश्ते
आज भी नए से दिखते हैं!

हर रिश्ते के बनने, टूटने
मिलने, बिछड़ने से बुनी,
अहसासों की जीती-जागती
सतरंगी कहानी कहते
पुरानी एलबम के रिश्ते
आज भी नए से दिखते हैं!

पर्यावरण सुरक्षा के सशक्त पहरेदार

हिमाचल प्रदेश हजारों वर्षों से सौंदर्य और प्राकृतिक दृष्टि से भारत में ही नहीं पूरी दुनिया के लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता रहा है। यह सब इसके भौगोलिक कारणों से हुआ है। कहीं इसमें धौलाधार की पहाडियां व कहीं शिवालिक पर्वत श्रृंखला सफेद बर्फ ओढ़े हुए पहाडियों को बर्फ की चांदी में लपेटकर जब देवदार के पेड़ों की सुंदरता के साथ यूं प्रतीत होती है कि धरती पर स्वर्ग यहीं पर है। यही कारण है कि इस धरती पर समय-समय पर बैठकर ऋषियों-मुनियों ने तप किए व इस धरती को सकारात्मक ऊर्जा से चार्ज कर दिया। लोग इसे देवभूमि के नाम से जानते हैं। लोगों की आस्था है कि इसी धरती पर भगवान शिव का भी मनीमहेश जैसे धार्मिक स्थल पर निवास है, जो चंबा के दुर्गम क्षेत्र में पड़ता है। बाबा बालक नाथ जी ने भी प्रदेश की धरती को अपना आराधना स्थल बनाया था। कलियुग के अवतार माने जाने वाले गुरु नानक ने भी इस प्रदेश में कई पैदल यात्राएं की और संगत व पंगत का संदेश दिया। महाभारत की लड़ाई में अज्ञात वास के दौरान पांडवों ने इसी धरती पर आने के लिए रुख किया था। सिखों के दशवें गुरु गोबिंद सिंह जी ने भी देश में जुल्मों को समाप्त करने को माता नयना देवी की आराधना इसी धरती पर की थी। राजा अकबर ने भी माता ज्वाला जी में अपनी कई समस्याओं व भूलों की माफी के लिए हाजिरी लगाई। अंग्रेजी हकूमत की स्थापना के बाद कलकत्ता इंडिया की राजधानी बनने के साथ-साथ शिमला को भी भारत की दूसरी राजधानी का दर्जा दिया गया। यहां तक कि दलाई लामा ने भी अपना निवास इसी प्रदेश को बनाया।

यह सारी बातें सिद्ध करती है कि ये स्थान विश्व के सौंदर्य स्थानों में से एक है। इसकी सशक्त पर्यावरण धारिता और कहीं नहीं हो सकती व उस धारिता का संरक्षण हम सब का भी कत्र्तव्य था, जो न हो सका। विकास की आंधी ने जिसमें सडक़ें, अंधाधुंध निर्माण, डैम, गली कूचों को पक्का करने की दृष्टि से सारी लंबी आयु वाले पेड़ों जिसमें आम, पीपल, जामुन, देवदार, पलाखे, हरड़, बेहड़ा, आंवला की अंधाधुंध कटाई हुई। किसी भी सरकार ने इसके समान्तर समाधान जिसमें पेड़ लगाए जाएं या विकास कार्य के साथ इन पेड़ों का संरक्षण कैसे किया जाए, इस पर कोई पालिसी नहीं बनाई। यहां तक कि धर्मशाला जैसे शहर को स्मार्ट सिटी बनाने के नाम पर सैकड़ों वर्ष पुराने पेड़ों की अंधाधुंध कटाई की जा रही है। विकास होना अति आवश्यक है, परंतु पर्यावरण सुरक्षा को समाप्त कर विकास जीवन के लिए घातक है। यह बड़ा चिंता का विषय है क्योंकि आज वायु मंडल आक्सीजन जिसे प्राण वायु कहा जाता है का अनुपात दिन प्रतिदिन घटता जा रहा है। इसकी भरपाई केवल लंबी आयु वाले पेड़ ही कर सकते हैं। इस पंक्ति में प्रदेश के पर्यावरण प्रेमी वी.एस माहल का नाम भी बड़े आदर के साथ लिया जाता है। जिन्होंने चंबा, कांगड़ा, शिमला, सिरमौर, किन्नौर, हमीरपुर आदि कई जिलों में अपनी नियमित ड्यूटी के साथ-साथ हजारों पेड़ भी लगाए हैं। इसके लिए उन्हें प्रदेश के जिलाधीशों ने सम्मानित किया है। उन्होंने इस पुनीत कार्य में अधिकतर विभागों, ग्राम पंचायत प्रधानों सहित महिला मंडलों के प्रधानों, जिला प्रशासन के अधिकारियों, वन विभाग के अधिकारियों का समय-समय पर सहयोग लिया। उनके लगाए गए देवदार औषधीय पेड़ चंबा शहर का सौंदर्यकरण कर रहे हैं, वहीं शिमला के बलदेहां क्षेत्र में तैयार किया गया देवदार का जंगल, धर्मशाला में देवदार व चिनार लोगों का दिल जीत रहे हैं। आओ भविष्य में हम सब मिल कर एक पेड़ लगा कर माहल के द्वारा छेड़े गए प्रकृति कार्य में आहूति डालें।

– वी. एस माहल

जीवन में उतार-चढ़ाव

युवा जीवन में कई उतार-चढ़ाव आते हैं और वह इसका तत्काल समाधान चाहते हैं। वह चाहते हैं कि उनके लिए सब कुछ अभी इसी पल में हो जाए। जब तक वह अपनी इच्छाओं और आकांक्षाओं को संभालना नहीं सीखेंगे, तब तक वह कुछ गलत रास्तों का भी चुनाव करते रहेंगे। दरअसल, हर युवा खुशी और उत्साह के लिए तरसता रहता है। अध्यात्म वह है, जो मन में उत्साह को प्रज्वलित करता है।

हमारे युवाओं को यह एहसास करने की जरूरत है कि वे मानवीय गुणों के साथ ही रचनात्मक कार्य कर सकते हैं। उन्हें यह भी एहसास करने की जरूरत है कि उनमें बहुत क्षमता है और वे जो कुछ भी हासिल करना चाहते हैं, उसे पाने की शक्ति भी उन में है। वास्तव में सिर्फ भौतिक वस्तुएं या सुविधाएं किसी को आराम नहीं दे सकती हैं। हर कोई शांति, स्थिरता, चैन और सच्चे प्रेम के लिए तरस रहा है।

आध्यात्मिकता उन्हें यह सब प्रदान कर सकती है। सेवा भारतीय अध्यात्म का एक महत्त्वपूर्ण अंग है। इस तीव्र इच्छा को पूरा करने की ऊर्जा युवाओं में है। जब सेवा जीवन का एकमात्र उद्देश्य होती है, तब मन में एकाग्रता आती है। कर्म उद्देश्यपूर्ण हो जाते हैं और दीर्घकालिक सुख मिलता है। आध्यात्मिकता की सेवा के पहलू को इस्तेमाल कर अपने भय और अवसाद को समाप्त किया जा सकता है।

यदि आप निराश हैं या किसी अवसाद से ग्रस्त हो रहे हैं, तो अपने कमरे से बाहर निकलें और लोगों से पूछें कि मैं आपके लिए क्या कर सकता हूं? यदि आप सेवा करेंगे, तो वह आपके अंदर क्रांति लाएगी। जब स्वयं को दूसरों की मदद करने में व्यस्त रखेंगे, तब आपको यह एहसास होगा कि परमात्मा आपका बहुत अच्छी तरह से ख्याल रख रहे हैं। आपकी निराशा प्रेम और कृतज्ञता में परिवर्तित हो जाएगी। अंदर से बंधा हुआ मन आज युवाओं के बीच एक बड़ी समस्या है। उन्हें हमेशा यह चिंता सताती रहती है कि लोग उनके बारे में क्या सोचते हैं। यह आदत निश्चित तौर पर उनके निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित करती है। छोटे-मोटे निर्णय जैसे कि कौन से कपड़े पहनने हैं, कौन सा मोबाइल खरीदना है या गंभीर निर्णय जैसे कि कौन सा पेशा चुनना है, इन सभी का फैसला इस अनदेखे आधार पर किया जाता है कि लोग उनके बारे में क्या सोचेंगे न कि क्या समयानुकूल है या क्या सही विकल्प होना चाहिए। श्वास प्रक्रियाएं, ध्यान और साधना के माध्यम से युवाओं को इस बाधित मन को खोलने में मदद मिल सकती है।

हमारा मन नकारात्मकता से जुड़ा रहना चाहता है। इससे मुक्त होने के लिए युवाओं को स्वयं की जिम्मेदारी लेनी होगी और यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका मन पूर्वाग्रहों के साथ भरा हुआ न हो। हमें न तो अपनी नकारात्मक भावनाओं के साथ लडऩा है और न ही उनसे दोस्ती करनी है। नियमित तौर पर युक्ति, श्वास और चीजों को सही संदर्भ में देखने पर नकारात्मकता को हटाया जा सकता है। युवाओं के जीवन में असफलता का डर नहीं होना चाहिए।

वे बस यह स्वीकार कर लें कि असफल होने में कोई बुराई नहीं है। असफल होने के बावजूद वे काम कर सकते हैं। खेल के हार-जीत की तरह ही जीवन के निर्णय को लें। अगर आप असफल हैं, तो कोई बात नहीं, तब भी अपने कर्म करते जाएं। जीवन असफलता और सफलता सब का मिश्रण है।

अभिवादन करना

श्रीराम शर्मा

सद्भावनायुक्त नागरिक ही आपको सामाजिक प्रतिष्ठा और मान-सम्मान देने वाले हैं। उनके दृष्टिकोण एवं विचारधारा पर आपकी सफलता अवलंबित है। जैसा आपके आसपास वाले समझते हैं वैसे ही वास्तव में आप हैं। समाज में आपके प्रत्येक कार्य की सूक्ष्म अलक्षित तरंगें निकला करती हैं, जो दूसरों पर प्रभाव डालती हैं। भलाई, शराफत आदि सद्व्यहार वह धन है जो रात-दिन बढ़ता है। यदि दैनिक व्यवहार में आप यह नियम बना लें कि हम जिन लोगों के संपर्क में आएंगे, उनके साथ सद्भावनायुक्त व्यवहार करेंगे, तो स्मरण रखिए आपके मित्र और हितैषियों की संख्या बढ़ती ही जाएगी। आप दूसरों को जितना प्रेम उदारता और सहानुभूति दिखलाएंगे, उनसे दस गुनी उदारता और सहानुभूति प्राप्त करेंगे। सद्व्यवहार दूसरे के अहं भाव की रक्षा करना वह आकर्षण है, जो दूर तक अपना प्रभाव डालता है। धीरे-धीरे उदारता मनुष्य के चरित्र का एक आवश्यक गुण बन जाती है। उदार मनुष्य दूसरों से प्रेम अपने स्वार्थ साधन के हेतु नहीं करता वरन् उनके कल्याण के लिए करता है। उदार व्यक्ति में प्रेम सेवा का रूप धारण कर लेता है। उदार व्यक्ति दूसरे के दुःख से स्वयं दुःखी होता है। वह अपने दुःख-सुख जितनी ही अहं की रक्षा करना चाहता है। सभी में कुछ न कुछ मात्रा में गर्व, मान अपने आपको बहुत श्रेष्ठ समझने की उच्च भावना है। अपने को सज्जन, उच्चतम, पवित्र, ईमानदार, सच्चा, बहादुर, कुलीन समझता है। अपनी समझदारी तर्कशक्ति, ज्ञान, पूर्णता उच्चता में नगण्य से नगण्य व्यक्ति को विश्वास है। किसी से यह न कहिए कि तुम नीच हो, तुममें समझदारी, ज्ञान, सतर्कता, नहीं है। तुम कठोर, कमजोर, दुर्बल, डरपोक हो और सोचने-समझने की भी शक्ति नहीं है। इस तरह के नकारात्मक अभावयुक्त शब्द अपने विषय में कोई भी सुनना पसंद नहीं करता। दूसरों के गर्व को चूर्ण करने वाले ऐसे अनेक शब्द पारस्परिक वैमनस्य, कटुता, शत्रुता और लड़ाई के कारण बनते हैं। दूसरों से इस प्रकार चर्चा कीजिए कि जिससे उसके सम्मान और गर्व की रक्षा होती चले। वह यह अनुभव करे कि आप उसकी इज्जत करते हैं, उसकी राय की कद्र व इज्जत करते हैं, उससे कुछ सीखना चाहते हैं। यदि किसी व्यक्ति के मन पर अप्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष रूप से यह बात बैठ जाए कि आप उसका सम्मान करते हैं, तो वह सदैव आपकी प्रतिष्ठा करता रहेगा।

आप लोगों की प्रशंसा, अभिवादन करना सीखें। प्रशंसा इस प्रकार से की जाए कि दूसरा यह न समझ सके कि उसे बनाया जा रहा है। प्रशंसा से दूसरा अत्यंत उत्साहित होता है तथा अपना हृदय खोलकर रख देता है। जितना ही मनुष्य दूसरे की प्रशंसा करता है, उतनी ही उसमें अच्छा काम करने की शक्ति आती है, यहां तक कि कुछ समय के पश्चात आपको अप्रत्यक्ष रूप से वह प्रेम करने लगता है। दूसरों में जो उत्तम बातें हैं, उसे व्यवहार में लाने के लिए अवसर ताकिए। यह एक मनोवैज्ञानिक नियम है कि जब दूसरा देखता है, आप उसमें दिलचस्पी व उसकी महत्ता स्वीकार कर रहे हैं, गुणों की तारीफ कर रहे हैं, तो वह अनायास ही आपसे प्रभावित हो जाता है। संभव है कि कोई किसी समय हतोत्साहित हो रहा हो और आपकी गुण ग्राहकता से उसका टूटता साहस पुनः जाग्रत हो जाए और इस कारण वह आपकी ओर आकर्षित हो।

#ArtNirbharBharat : "सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण: त्यागराज केंद्र भविष्य के कलाकार का पोषण करता है"

1995 में अपनी स्थापना के बाद से, नोएडा में त्यागराज संगीत और नृत्य केंद्र एक महान मिशन में सबसे आगे रहा हैः हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना और ललित कला और दृश्य कला, विशेष रूप से भारतीय शास्त्रीय नृत्य और संगीत के क्षेत्र में भावी पीढ़ियों का पोषण करना। .

नोएडा की सम्मानित जिला मजिस्ट्रेट श्रीमती वलसा नायर द्वारा उद्घाटन किया गया, संस्थान ने उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता के साथ अपनी यात्रा शुरू की। प्रयागराज में प्रतिष्ठित प्रयाग संगीत समिति से संबद्ध, केंद्र छात्रों को उनकी कलात्मक गतिविधियों और भविष्य के प्रयासों में सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया एक व्यावहारिक-उन्मुख पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

संस्थान द्वारा पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रमों की श्रृंखला विविध रुचियों और आकांक्षाओं को पूरा करती है, जिसमें शास्त्रीय नृत्य और संगीत में जूनियर डिप्लोमा, वरिष्ठ डिप्लोमा, डिग्री और स्नातकोत्तर कार्यक्रम शामिल हैं। पिछले कुछ वर्षों में, केंद्र ने गर्व से सौ से अधिक छात्रों को शास्त्रीय नृत्य में सफलतापूर्वक स्नातक होते देखा है, जिनमें से कई अब भारत और विदेशों में नृत्य शिक्षकों के रूप में अपना ज्ञान प्रदान कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, तीन सौ से अधिक छात्रों ने सीनियर डिप्लोमा कार्यक्रम पूरा किया है, जिससे सांस्कृतिक परिदृश्य और समृद्ध हुआ है।

त्यागराज केंद्र की एक पहचान इसकी सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्धता है। संस्थान प्रतिभाशाली और वंचित छात्राओं को मुफ्त प्रशिक्षण प्रदान करता है, न केवल उन्हें नौकरी-उन्मुख कौशल से लैस करता है, बल्कि प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच भी प्रदान करता है। इन छात्रों को आत्मविश्वासी व्यक्तियों के रूप में विकसित होते देखना केंद्र के लिए अत्यधिक गर्व का स्रोत है।

पाठ्यक्रमों की पेशकश एक विस्तृत स्पेक्ट्रम को शामिल करती है, जिसमें भरतनाट्यम, हिंदुस्तानी वोकल, सिंथेसाइज़र और बहुत कुछ शामिल हैं। यह समग्र दृष्टिकोण कला में व्यापक शिक्षा सुनिश्चित करता है, छात्रों को इस क्षेत्र में बहुमुखी करियर के लिए तैयार करता है।

56-ए, पॉकेट बी, एक्सप्रेसव्यू एचआईजी अपार्टमेंट, सेक्टर 105, नोएडा, उत्तर प्रदेश में स्थित, त्यागराज केंद्र जीवन के सभी क्षेत्रों के महत्वाकांक्षी कलाकारों का स्वागत करता है। पूछताछ और प्रवेश के लिए, इच्छुक व्यक्ति 9810389439, 8447816359, 9810212542, या 9811051953 पर फोन के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं।

हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षक और भविष्य के उस्तादों के पोषक के रूप में, त्यागराज संगीत और नृत्य केंद्र कलात्मक परिदृश्य को प्रेरित, शिक्षित और उन्नत करता रहता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि हमारी परंपराओं की विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए पनपती रहे।

"कला निर्भर भारत #ArtNirbharBharat भारत की कला, कलाकार और कारीगरों के उत्थान, उनकी उल्लेखनीय यात्रा को साझा करने और स्थानीय कारीगरों के लिए मुखर होने की एक पहल है। सोशलप्रिन्योर डॉ. अंकुर शरण की एक पहल। वह ग्लोबल कन्फेडरेशन ऑफ एनजीओ के सह संस्थापक और प्रबंधन ट्रस्टी हैं। स्वयंसेवीशाला के माध्यम से विशेष रूप से समाज की सेवा कर रहे लोगों को सशक्त बनाने के लिए कहानियों को आमंत्रित किया जा रहा है।" Email at indiangreenbuddy@gmail.com

पाकिस्तान से आए हिंदू शरणार्थी अब बने भारत के नागरिक, दिल्ली में कई लोगों को मिली नागरिकता

परिवहन विशेष न्यूज

आदर्श नगर के महाराणा प्रताप बस्ती की कच्ची और उबड़ खाबड़ रास्ते पर गुलाब और गेंदे के फूल बिखरे हुए हैं। रास्ते में बच्चे खेलते हुए खुशी से मिलते हैं। आगे एक टीनशेड वाले घर के सामने काफी लोग इकट्ठा हैं। फूलों की वर्षा हो रही है। तेज आवाज में देशभक्ति के संगीत बज रहा है। मिठाईयों से मुंह मीठा कराते हुए लोग भारत माता के जयकारे लगा रहे हैं।

नई दिल्ली। आदर्श नगर के महाराणा प्रताप बस्ती की कच्ची और उबड़ खाबड़ रास्ते पर गुलाब और गेंदे के फूल बिखरे हुए हैं। रास्ते में बच्चे खेलते हुए खुशी से मिलते हैं। आगे एक टीनशेड वाले घर के सामने काफी लोग इकट्ठा हैं। जहां फूलों की वर्षा हो रही है।

तेज आवाज में देशभक्ति के संगीत बज रहा है। मिठाईयों से मुंह मीठा कराते हुए लोग भारत माता के जयकारे लगा रहे हैं। सभी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व गृह मंत्री अमित शाह का दिल से आभार जताते नहीं थक रहे हैं।

पांच शरणार्थियों को मिली नागरिकता

इस बस्ती में रहने वाले पांच हिंदुओं को बुधवार को नागरिकता संशोधन कानून (सीएए, CAA) के तहत नागरिकता मिली है, अब वे शरणार्थी नहीं हैं। बल्कि, भारत के नागरिक के तौर पर उनका पुर्नजन्म हुआ है। इसलिए, पूरी बस्ती, नए उत्साह, उमंग और उम्मीदों और सपनों के साथ खुशी से झूम रही है। नागरिकता पाए लोगों का स्वागत माला पहनाकर और पुष्प वर्षा कर किया जा रहा है।

मजनू का टीला में भी खुशी का माहौल

इसी तरह का उत्सवी माहौल मजनू का टीला स्थित पाकिस्तान से आए हिंदू शरणार्थियों की बस्ती में भी है। वहां, भी पांच हिंदुओं को नागरिकता मिली है। भारत सरकार द्वारा नागरिकता देने का यह क्रम बुधवार से शुरू हो गया है। उम्मीद है कि कुछ दिनों में दिल्ली के विभिन्न शरणार्थी बस्तियों में रहते बाकि बचे हजारों आवेदकों को भी नागरिकता मिल जाएगी।

वीएचपी कर रहा मदद

बस्ती में मौजूद विहिप के मुखर्जी नगर जिले के महामंत्री प्रेम शर्मा बताते हैं कि इस बस्ती से 220 लोगों ने फार्म भरे हैं। इसके लिए यहां विशेष सहायता केंद्र भी खोला गया है, जहां से अभी भी इंटरनेट माध्यम से फार्म भरवाए जा रहे हैं। यहां के स्थानीय विहिप पदाधिकारियों और मंदिरों द्वारा उनके पक्ष में शपथपत्र जमा कर उनकी गारंटी ली जा रही है। प्रेम शर्मा खुद ने भी दो हजार से अधिक हिंदू शरणार्थियों के लिए शपथ पत्र जमा कराया है।

घूम सकेंगे देश, गुजरात जाने की हसरत

महाराणा प्रताप बस्ती में अर्जुन, लक्ष्मी, चंद्र कला, बावना व हरजी को नागरिकता मिली है। ये सभी 18 से 28 वर्ष आयु वर्ग के हैं, जो वर्ष 2014 में धर्म आधारित प्रताड़ना व उत्पीड़न से बचने के लिए अपना सबकुछ छोड़कर परिवार के सदस्यों के साथ यहां आकर रह रहे थे। इसी तरह, मजनू का टीला बस्ती में भारत कुमार,

यसोदा, हरेश, धोलाराम व शीतलदास को नागरिकता मिली है जो 24 से 35 वर्ष के बीच के हैं।बस्ती में कई बच्चे ऐसे हैं जो यहीं जन्म लिए हुए हैं। नागरिकता पाने वालों में सबसे कम उम्र की छात्रा बावना है, जो 18 वर्ष की है। हाल ही में उसने 10 वीं की परीक्षा करीब 70 प्रतिशत अंकों से उर्तीण हुई है। आगे वह पढ़ाई कर के देश की सेवा करना चाहती है। वह गुजरात घूमने के साथ वृंदावन जाकर भगवान कृष्ण के दर्शन करना चाहती है। नागरिकता से अब उसके सपने पूरे होंगे। 46 वर्षीय राधा भरी आंखों से कहती हैं कि उनके बहुत सारे परिवार के लोग पाकिस्तान में रह गए हैं, जो धर्म के आधार पर उत्पीड़न, दमन और शोषण के शिकार हो रहे हैं। उन्हें भी भारत सरकार से काफी उम्मीदें हैं।

एक नागरिक के तौर पर मिले सारे अधिकार

भारत के नागरिक के तौर पर उन्हें अब सभी अधिकार मिल गए हैं। पाकिस्तानी शरणार्थी माधव के अनुसार, अभी तक उन्हें किसी शहर से दूसरे शहर में जाने के लिए पुलिस की अनुमति जरूरी होती थी। इसी तरह उन्हें सरकार की किसी योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा था। अब मिल सकेगा। वह जमीन खरीद सकेंगे। ऋण ले सकेंगे। मतदान कर सकेंगे। नौकरी कर सकेंगे और अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलवा सकेंगे।

दिल्ली में स्वाति मालीवाल से मिले संजय सिंह, बदसलूकी की घटना के बाद किसी AAP नेता की पहली मुलाकात

आम आदमी पार्टी (AAP) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने बुधवार को आप सांसद स्वाति मालीवाल से मुलकात की है। यह मुलाकात स्वाति के घर पर हुई है। संजय सिंह ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया था कि सोमवार को स्वाति मालीवाल के साथ अरविंद केजरीवाल के आवास पर बदसलूकी हुई थी। यह दुर्व्यवहार सीएम केजरीवाल के निजी सहायक विभव कुमार किया था।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने बुधवार को आप सांसद स्वाति मालीवाल से मुलकात की है। संजय सिंह ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया था कि सोमवार को स्वाति मालीवाल के साथ अरविंद केजरीवाल के आवास पर बदसलूकी हुई थी। यह दुर्व्यवहार सीएम केजरीवाल के निजी सहायक विभव कुमार किया था। स्वाति मालीवाल से मुलाकात के दौरान संजय सिंह के साथ दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू, DCW) की सदस्य वंदना सिंह भी थीं। यह मुलाकात स्वाति के घर पर हुई है।

स्वाति मालीवाल अभी आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सदस्य भी हैं। वह दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्षा भी रह चुकी हैं। घटना के बाद से वह किसी भी मेल या फोन का जवाब नहीं दे रही हैं।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि स्वाति मालीवाल सोमवार को सिविल लाइंस पुलिस स्टेशन गईं और आरोप लगाया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री के निजी स्टाफ के एक सदस्य ने मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर उनके साथ मारपीट की। स्वाति ने अभी तक इस मामले में औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

मंगलवार को संजय सिंह ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और कहा कि मालीवाल के साथ हुई घटना बेहद निंदनीय है। पुलिस मंगलवार को मिंटो रोड स्थित उनके आवास पर भी गई थी।

कांग्रेस के 'पायलट' उड़ाएंगे आप का चुनावी प्लेन, 48 घंटे के लिए डील फाइनल

कांग्रेस ने आप का आग्रह स्वीकार कर लिया है। अब केवल पायलट से बात करके उनके पास उपलब्ध समय और तारीखों को चेक करना है। उसी के अनुरूप आप के चुनाव प्रचार का शेड्यूल फाइनल किया जाना है। मालूम हो कि दिल्ली में पहली बार आप और कांग्रेस लोक सभा चुनाव गठबंधन में लड़ रहे हैं।

नई दिल्ली। सचिन पायलट नेता भले कांग्रेस के हों, लेकिन उनकी लोकप्रियता आम आदमी पार्टी (आप) में भी खूब है। आलम यह है कि कांग्रेस के 40 स्टार प्रचारकों की सूची में से "आप" को महज यही एक नाम अपने चुनाव प्रचार को रफ्तार देने के लिए भाया है। ऐसे में अगर कांग्रेस के "पायलट" अगले सप्ताह "आप" का चुनावी प्लेन उड़ाते नजर आएं तो हैरानी नहीं।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस ने जब सीएम अरविंद केजरीवाल से अपने प्रत्याशियों के लिए रोड शो करने का आग्रह किया तो 'आप' ने भी अपने उम्मीदवारों का चुनाव प्रचार करने को कांग्रेस से पायलट की मांग कर डाली।

'आप' ने पायलट की मांग दो दिनों के लिए की है। इन दो दिनों के दौरान पार्टी अपने चारों उम्मीदवारों के लिए रोड शो या कोई गतिविधि प्लान करेगी।

कांग्रेस ने आप का आग्रह किया स्वीकार

कांग्रेस ने 'आप' का आग्रह स्वीकार कर लिया है। अब केवल पायलट से बात करके उनके पास उपलब्ध समय और तारीखों को चेक करना है। उसी के अनुरूप 'आप' के चुनाव प्रचार का शेड्यूल फाइनल किया जाना है। मालूम हो कि दिल्ली में पहली बार 'आप' और कांग्रेस लोक सभा चुनाव गठबंधन में लड़ रहे हैं।

उत्तर पूर्वी, उत्तर पश्चिमी और चांदनी चौक सीट पर कांग्रेस लड़ रही है जबकि पूर्वी, दक्षिणी, नई व पश्चिमी दिल्ली सीट पर 'आप' लड़ रही है।

राहुल गांधी की पहली जनसभा शनिवार को

वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी शनिवार से दिल्ली में चुनाव प्रचार की शुरुआत करेंगे। वह एक ही दिन में दो अलग अलग जगह जनसभा कर सकते हैं। इनमें से एक जनसभा चांदनी चौक लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत अशोक विहार रामलीला मैदान में तय हो गई है जबकि दूसरी के लिए बातचीत चल रही है। इसके बाद अगले सप्ताह इनके साथ-साथ प्रियंका वाड्रा और मल्लिकार्जुन खरगे की भी रैली-जनसभा की जाएंगी।

'आप' ने अपने चुनाव प्रचार के लिए हमसे सचिन पायलट की मांग की है। जल्द ही इसे पूरा किया जाएगा। राहुल गांधी की दो रैली-जनसभा इसी सप्ताह होने की संभावना है। प्रियंका वाड्रा व मल्लिकार्जुन खरगे के कार्यक्रम अगले सप्ताह रखे जाएंगे।

दरअसल, 20 मई को पांचवें चरण के मतदान को देखते हुए फिलहाल सभी थोड़ा व्यस्त चल रहे हैं। अगले सप्ताह ही गठबंधन के घटक दलों की एक साझा रैली-जनसभा भी रखे जाने का विचार है।

एयरलाइन से अधिक है ऑटोरिक्शा का किराया, दिल्ली हाईकोर्ट ने की टिप्पणी

दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को हवाई किराया की सीमा तय करने से इनकार करते हुए मौखिक टिप्पणी की कि वर्तमान में ऑटो रिक्शा का किराया एयरलाइन से कम है। अदालत ने कहा कि हवाई किराए की सीमा तय करने के लिए कोई निर्देश पारित करना उचित नहीं है। अदालत ने सुनवाई के दौरान टिप्पणी की कि बाजार की ताकतें कीमत तय करेंगी।

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को हवाई किराया की सीमा तय करने से इनकार करते हुए मौखिक टिप्पणी की कि वर्तमान में ऑटो रिक्शा का किराया एयरलाइन से कम है। अदालत ने कहा कि हवाई किराए की सीमा तय करने के लिए कोई निर्देश पारित करना उचित नहीं है।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन व न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ ने उक्त टिप्पणी करते हुए हवाई जहाज के टिकटों की कीमत को विनियमित करने की मांग वाली दो याचिकाओं का निपटारा कर दिया।

बाजार तय करेगी कीमतें

अदालत ने सुनवाई के दौरान टिप्पणी की कि बाजार की ताकतें कीमत तय करेंगी। एयरलाइन उद्योग बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और उड़ान भरने वाली हर एयरलाइन अत्यधिक प्रतिस्पर्धी इंडस्ट्री है।

याचिका में क्या कहा गया?

अधिवक्ता अमित साहनी और याचिकाकर्ता बेजोन कुमार मिश्रा ने याचिका दायर कर कहा था कि उन्होंने देश भर में हवाई किराए की सीमा तय करने के निर्देश देने की मांग की, ताकि एयरलाइंस द्वारा ग्राहकों से मनमाने ढंग से लूट न की जा सके। साहनी ने अदालत से दिशानिर्देश बनाने और एयरलाइन कंपनियों को उड़ानों के लिए मनमाने, अतार्किक और अत्यधिक शुल्क वसूलने से रोकने का अनुरोध किया था।

'मुझे इसलिए जेल में डाला, क्योंकि मैंने...', दिल्ली में कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में रोड शो के दौरान बोले केजरीवाल

परिवहन विशेष न्यूज

आम आदमी पार्टी (AAP) के राष्ट्रीय संयोजक एवं सीएम अरविंद केजरीवाल (Arvind Kejriwal) ने आप प्रत्याशियों के बाद बुधवार को कांग्रेस प्रत्याशियों के लिए रोड शो किया। उन्होंने पहले चांदनी चौक से कांग्रेस प्रत्याशी जेपी अग्रवाल और फिर उत्तर पूर्वी सीट से प्रत्याशी कन्हैया कुमार व उत्तर पश्चिमी सीट से प्रत्याशी उदित राज के समर्थन में रोड शो किया।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (AAP) के राष्ट्रीय संयोजक एवं सीएम अरविंद केजरीवाल (Arvind Kejriwal) ने आप प्रत्याशियों के बाद बुधवार को कांग्रेस प्रत्याशियों के लिए रोड शो किया। उन्होंने पहले चांदनी चौक से कांग्रेस प्रत्याशी जेपी अग्रवाल और फिर उत्तर पूर्वी सीट से प्रत्याशी कन्हैया कुमार व उत्तर पश्चिमी सीट से प्रत्याशी उदित राज के समर्थन में रोड शो किया।

मॉडल टाउन और जहांगीरपुरी में हुए रोड शो के दौरान केजरीवाल ने कहा कि चार जून को मोदी सरकार जा रही है। मेरा जेल जाना या न जाना आपके हाथ में है। अगर आपने आईएनडीआई गठबंधन को वोट दिया तो मुझे जेल नहीं जाना होगा।

सीएम केजरीवाल ने दिया नया नारा

इस दौरान केजरीवाल ने एक नया नारा भी दिया, जो केजरीवाल से करे प्यार, वो मोदी को करे इनकार। उन्होंने अपना संबोधन फिर दोहराया, मैंने आपके बच्चों के लिए शानदार स्कूल और आपके इलाज के लिए मोहल्ला क्लीनिक बनाए, 24 घंटे बिजली दी, बस इसी कसूर के लिए इन्होंने मुझे जेल में डाला। प्रधानमंत्री का बड़प्पन तो तब होता, जब वो भी मेरी तरह पूरे देश में स्कूल बनवाते और 24 घंटे बिजली देते।

आप-कांग्रेस के दिखे कार्यकर्ता

रोड शो के दौरान आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दोनों के समर्थकों में उत्साह दिखाई दिया। दोनों ने अपनी-अपनी पार्टी के झंडे ले रखे थे। खुली कार में सवार केजरीवाल हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार कर रहे थे। उन्हें देखने के लिए उनके स्वागत में सड़कों के किनारे बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए थे।

इसके अलावा काफी संख्या में लोग अपनी छतों और बालकनी से पोस्टर के साथ उनका स्वागत कर रहे थे। कई लोग अपने मोबाइल में उनकी तस्वीरें और वीडियो कैद कर रहे थे।

महिलाओं ने किया विरोध-प्रदर्शन

मॉडल टाउन में रोड शो के दौरान कुछ महिलाओं ने केजरीवाल के खिलाफ प्रदर्शन भी किया। उन्होंने हाथों में - केजरीवाल शर्म करो, केजरीवाल भ्रष्ट है, जैसे नारे लिखी तख्तियां भी हाथ में ले रखी थी। हालांकि केजरीवाल उन्हें अनदेखा करते हुए आगे निकल गए।

बिग बॉस फेम सन्नी आर्य अब समाजसेवा में कमा रहे नाम

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। कहते हैं कि समाज में अगर आपने नाम कमाया है तो अपने कर्म से लोगों के सामने उदाहरण पेश करना चाहिए ताकि आपको फॉलो और पसंद करने वाले लोगों पर उसका सकारात्मक असर पड़ सकें। कुछ ऐसा ही सन्नी आर्य के साथ हो रहा है। बिग बॉस में अपने शानदार काम से लोगों के दिलों में राज करने वाली सन्नी समाजसेवा में भी अब तहलका मचा रही है। सन्नी आर्य के प्रशंसकों का कहना है कि जब कोई स्टार बन जाता है तो वो सब कुछ छोड़ कर सिर्फ और सिर्फ अपने काम में आगे जाने की कोशिश करता है। लेकिन सन्नी आर्य लगातार समाजसेवा कर रहे हैं। प्रैंक वीडियो के माध्यम से करोड़ों दिलों पर राज करने वाले सन्नी आर्य अब समाजसेवा के द्वारा सबके हीरो बने हुए हैं। क्योंकि सन्नी आर्य का समाजसेवा करने का तरीका ही सबसे अलग है। बिग बॉस में से आने के बाद सन्नी आर्य ने तहलका भाई ट्रस्ट के द्वारा हर दिन 150 से ज्यादा जरूरत मंद लोगो को फ्री खाना खिलाना शुरू किया। 20 युवाओं को स्कूटियां और 35 लोगों को साइकिल देकर आत्म निर्भर बनाने का काम तहलका भाई ट्रस्ट के द्वारा किया गया। समाजसेवी तहलका भाई के फॉलोवर्स इंस्टाग्राम फेसबुक पर तेजी से बड़ रहे हैं। हाल ही में 50 व्हीलचेयर बाटने के बाद फ्री एम्बुलेंस की सेवा शुरू की है जो कि दिल्ली वासियों के लिए उनकी तरफ से एक बहुत ही सुंदर तोहफा है। और अब हर सोमवार 100 महिलाओं को सेनेट्री पेड और उनके जरूरतों की चीजे बाटने का काम तहलका भाई ट्रस्ट के द्वारा सन्नी आर्य कर रहें हैं जिसकी शुरुआत द्वारका मोड़ से की गई। आज के समय में तहलका भाई ट्रस्ट के जरिए सन्नी आर्य ने अपनी अलग पहचान बनाई है।

केजरीवाल दूसरे मुद्दे में फंस गए हैं, वो उससे..., अमित शाह ने दिल्ली के मुख्यमंत्री को लेकर ऐसा क्यों कहा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अरविंद केजरीवाल के उस बयान पर जवाब दिया है जिसमें केजरीवाल ने एक रैली में कहा था कि अगर आप झाड़ू (AAP का चुनाव चिह्न) को वोट देंगे तो उन्हें जेल में फिर से जाना नहीं पड़ेगा। अमित शाह ने दिल्ली के सीएम केजरीवाल के इस बयान को सुप्रीम कोर्ट की अवमानना बताया है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अरविंद केजरीवाल के उस बयान पर जवाब दिया है, जिसमें केजरीवाल ने एक रैली में कहा था कि अगर आप झाड़ू (AAP का चुनाव चिह्न) को वोट देंगे तो उन्हें जेल में फिर से जाना नहीं पड़ेगा। अमित शाह ने दिल्ली के सीएम केजरीवाल के इस बयान को सुप्रीम कोर्ट की अवमानना बताया है। इसके साथ ही उन्होंने स्वाति मालीवाल के साथ सीएम केजरीवाल के आवास पर हुई बदसलूकी पर भी बयान दिया है।

अमित शाह ने कहा कि केजरीवाल की अंतरिम जमानत का फैसला सुनाने वाले न्यायाधीशों को यह भी जांचना चाहिए कि उनके आदेश का ₹इस्तेमाल या दुरुपयोग₹ किया गया।

अमित शाह ने कहा कि केजरीवाल को लगता है कि अगर वह जीतते हैं, भले ही दोषी हैं, तो सुप्रीम कोर्ट उन्हें जेल नहीं भेजेगा। मुझे लगता है कि यह सुप्रीम कोर्ट की स्पष्ट अवमानना है।

अमित शाह ने कहा कि कई लोगों को लगता है कि आबकारी नीति मामले में अरविंद केजरीवाल को अंतिरिम जमानत देकर सुप्रीम कोर्ट ने कोई विशेष ट्रीटमेंट दिया है। उन्होंने कहा कि जमानत देने का कोर्ट का फैसला कोई नियमित न्यायिक आदेश नहीं है।

स्वाति मालीवाल मामले में क्या बोले शाह?

अमित शाह ने उस सवाल पर अरविंद केजरीवाल पर कटाक्ष किया, जिसमें उनसे लोकसभा चुनाव में केजरीवाल द्वारा आप और कांग्रेस के लिए प्रचार करने के बारे पूछा गया था।

अमित शाह ने कहा कि फिलहाल दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद

केजरीवाल एक और मुद्दे में फंस गए हैं। उन्हें इससे निकलने दीजिए, फिर देखते हैं कि क्या होता है। अमित शाह ने इस दौरान उस मुद्दे का जिक्र किया था, जिसमें आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल के साथ केजरीवाल के आवास पर उनके निजी सहायक ने बदसलूकी की थी।

अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 21 मार्च को दिल्ली आबकारी नीति (2021-22) से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें हिरासत में रखा गया, फिर तिहाड़ जेल भेज दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें 10 अंतरिम जमानत दे दी थी, जो एक जून तक है। 2 जून को उन्हें जेल में समर्पण करना होगा।

'मथुरा और ज्ञानवापी मस्जिद की जगह...', लोकसभा चुनाव के बीच ये क्या बोल गए हेमंत बिस्वा सरमा

परिवहन विशेष न्यूज

असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने दावा किया कि मोदी सरकार ने तीन सौ सीट होते हुए आयोध्या में राम मंदिर बनवाकर अपना वादा पूरा किया। तीसरी बार मोदी सरकार चार सौ सीट जीत रही है। सरकार बनते ही मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर और ज्ञानवापी मस्जिद की जगह पर बाबा विश्वनाथ का मंदिर बनेगा। जनता से कहा मोदी को जिताते रहिए मुगलों ने जितना कारनामा किया था।

नई दिल्ली। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने दावा किया कि मोदी सरकार ने तीन सौ सीट होते हुए आयोध्या में राम मंदिर बनवाकर अपना वादा पूरा किया। तीसरी बार मोदी सरकार चार सौ सीट जीत रही है। सरकार बनते ही मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर और ज्ञानवापी मस्जिद की जगह पर बाबा विश्वनाथ का मंदिर बनेगा। जनता से कहा मोदी को जिताते रहिए, मुगलों ने जितना कारनामा किया था। उसे साफ कर दिया जाएगा।

असम के सीएम ने मंगलवार को यमुना विहार में उत्तर पूर्वी लोकसभा क्षेत्र से प्रत्याशी मनोज तिवारी व लक्ष्मी नगर पूर्वी लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी हर्ष मल्होत्रा के समर्थन में जनसभा की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मोदी सरकार ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा में मंदिर जरूर बनवाएगी।

उन्होंने कहा कि उत्तर पूर्वी लोकसभा में कांग्रेस और केजरीवाल ने जिस प्रत्याशी को मैदान में उतारा है, उन्हें विरासत में देशद्रोह मिला है। देश के विरुद्ध दंगों को हवा देना और आतंकवाद को बढ़ावा देना उनकी पहचान है।

अन्ना हजारे और पीओके पर क्या बोले

दिल्ली में भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन करने वाले अन्ना हजारे कह रहे हैं कि उन्हें विश्वास था कि केजरीवाल चोरी जरूर करेगा, लेकिन शराब को बेचकर करेगा यह सपने में भी नहीं सोचा था। जब देश में कांग्रेस की सरकार थी, तब लोगों को बताया जाता था कि जम्मू-कश्मीर भारत और पाकिस्तान दोनों में हैं। संसद में कभी चर्चा नहीं होती थी। गुलाम कश्मीर से पिछले कई दिनों से तस्वीर आ रही है, वहां के लोग तिरंगा हाथ में लेकर पाकिस्तान के खिलाफ सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं। मोदी सरकार को चार सौ सीट मिलेगी तो गुलाम कश्मीर भी भारत का हो जाएगा। इसकी शुरुआत हो चुकी है।

रेलवे से रिटायर जीएम की डिजिटल गिरफ्तारी, घर बैठे गंवाए 52.50 लाख रुपये; ठगी से बचने को आप भी बरतें ये सावधानियां

जिले में एक बार फिर साइबर अपराधियों द्वारा डिजिटल अरेस्ट (Digital Arrest) कर ठगी का मामला सामने आया है। इस बार भारतीय रेलवे में जीएम के पद से सेवानिवृत्त अधिकारी 52.50 लाख रुपये ठगी का शिकार हुए हैं। उनकी शिकायत पर साइबर अपराध थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा। जिले में एक बार फिर साइबर अपराधियों द्वारा डिजिटल अरेस्ट (Digital Arrest) कर ठगी का मामला सामने आया है। इस बार भारतीय रेलवे में जीएम के पद से सेवानिवृत्त अधिकारी 52.50 लाख रुपये ठगी का शिकार हुए हैं। उनकी शिकायत पर साइबर अपराध थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सेक्टर-76 स्थित आम्रपाली सिलिकन सिटी के प्रमोद कुमार अग्रवाल (69) ने दर्ज कराई एफआईआर में बताया कि 9 मई को उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से मैसेज आया। मैसेज में लिखा था कि उनके द्वारा जो पार्सल भेजा गया है, वह डिलीवर नहीं हो पाया है। इसके लिए उन्हें मोबाइल में एक दबाना होगा।

पार्सल ताइवान भेजने की बात कही

इसके लिए उन्होंने पार्सल के संबंध में जानकारी लेने के लिए उस नंबर पर कॉल की, जिस नंबर से मैसेज आया था। उसने बताया कि 3 मई को उनके द्वारा मुंबई से एक पार्सल ताइवान भेजा गया था। इसे ताइवान सीमा शुल्क विभाग ने प्रतिबंधित वस्तु होने के चलते जब्त कर लिया है।

इसमें बताया कि पार्सल में चार पासपोर्ट, तीन क्रेडिट कार्ड, कपड़े और 100 ग्राम ड्रग्स था। इसके बाद आरोपित ने कहा कि उनके तीन बैंक खातों की केवाईसी अलग-अलग शहरों में हुई है। इन बैंक खातों का इस्तेमाल मनी लांड्रिंग के लिए किया गया है, जो दाउद और नवाज मलिक जैसे लोगों के लिए आतंकी गतिविधियों में किया गया है। जब उन्होंने कहा कि उनका इन लोगों से कोई संबंध नहीं है।

इसके बाद आरोपी ने वीडियो कॉल के जरिये संपर्क किया। खुद को मुंबई क्राइम ब्रांच और सीबीआई का अधिकारी बताते हुए चेतावनी दी कि अगर उन्होंने किसी को भी इस बातचीत के बारे में दस्तावेज साझा किए तो वह जेल भेज देंगे। साथ ही डराया कि उनकी और उनके करीबियों की जान खतरे में है। वह 24 घंटे की निगरानी में हैं।

इसके बाद आरोपियों के कहने पर तीन बार में उन्होंने 52.50 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद ठगी का अहसास हुआ। साइबर अपराध थाना प्रभारी उमेश नैथानी का कहना है कि शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

क्या है डिजिटल अरेस्ट

डिजिटल अरेस्ट साइबर अपराधियों का एक तरीका है। इसमें वह लैपटाप, डेस्कटॉप या मोबाइल में जांच के नाम पर ऐप डाउनलोड करवाते हैं। फिर विडियो कॉल से जांच प्रक्रिया का हवाला और गिरफ्तारी का डर दिखाकर निगरानी में ले लेते हैं। मोबाइल सामने रखवा लेते हैं। घर से बाहर नहीं जाने देते न ही किसी से संपर्क करने देते हैं।

डिजिटल अरेस्ट का मुख्य मकसद जालसाजों का यह होता है कि जाल में फंसाया गया व्यक्ति किसी और से कोई जानकारी या मदद न लेने पाए। ऐसा होने पर ठगी की कोशिश असफल हो जाती है।

ये बरतें सावधानी

- अगर कोई अनजान व्यक्ति किसी ग्रुप पर जोड़ता है तो उससे इसका कारण पूछें।
- कम समय में कोई अगर भारी मुनाफा होने का झांसा दे तो सतर्क हो जाएं।
- अगर कोई अनजान व्यक्ति पार्सल में ड्रग्स होने की बात कहे तो पुलिस से संपर्क करें।
- यूट्यूब पर जारी किए गए वीडियो में दिए मोबाइल-फोन नंबर पर कॉल न करें।
- वीडियो और वेब पेज को लाइक करने पर मोटी कमाई होने के झांसे में न आएं।

गिरोह बनाकर जमीन खरीदने बेचने के नाम पर करते थे ठगी, तीन गिरफ्तार

10 सितंबर 2023 को एक व्यक्ति ने पालम विहार थाने में शिकायत दी कि मई 2023 में कुलदीप धामा नाम के व्यक्ति ने कवींद्र भाटी की गांव चुहड़पुर खादर की 27 बीघा डूब क्षेत्र की जमीन एग्रीकल्चर जोन में बताते हुए 48 लाख रुपये प्रति बीघा के हिसाब से दिलाने की बात की। इसके लिए नरेश डीलर के साथ मिलकर कुलदीप ने भी उस जमीन में 50 प्रतिशत हिस्सा दिखाया।

गुरुग्राम। गुरुग्राम के एक व्यक्ति से मई 2023 में नोएडा के गांव चुहड़पुर खादर में जमीन खरीदने और फिर उसे बेचने के नाम पर 66 लाख रुपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपित गिरोह बनाकर इस तरह से ठगी की वारदात को अंजाम दे रहे थे। 10 सितंबर 2023 को एक व्यक्ति ने पालम विहार थाने में शिकायत दी कि मई 2023 में कुलदीप धामा नाम के व्यक्ति ने कवींद्र भाटी की गांव चुहड़पुर खादर की 27 बीघा डूब क्षेत्र की जमीन एग्रीकल्चर जोन में बताते हुए 48 लाख रुपये प्रति बीघा के हिसाब से दिलाने की बात की।

झांसे में आकर पीड़ित ने दी दे टोकन मनी इसके लिए नरेश शर्मा डीलर के साथ मिलकर कुलदीप ने भी उस जमीन में 50 प्रतिशत हिस्सा दिखाया। कहा कि जमीन को आगे 58 लाख रुपये प्रति बीघा के रेट से खरीदने के लिए उन्हें एक ग्राहक भी मिल गया। झांसे में आकर पीड़ित व्यक्ति ने 66 लाख रुपये की टोकन मनी आरोपितों को दे दी। इसके बाद पीड़ित के फोन उठाने बंद कर दिए।

मामले में पालम विहार थाने में केस दर्ज होने के बाद इओडब्ल्यू-दो की टीम ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को तीन मई को चंडीगढ़ से गिरफ्तार किया था। इसकी पहचान गाजियाबाद के वसुंधरा निवासी कुलदीप धामा के रूप में हुई थी।

उसकी निशानदेही पर दो अन्य आरोपितों नोएडा निवासी कवींद्र भाटी और दिल्ली के दिलशाद कालोनी निवासी नरेंद्र कुमार उर्फ नरेश शर्मा को दस मई को नैनीताल से पकड़ा गया। चार दिन के रिमांड पर लेकर इनसे पूछताछ की गई।

खरीदने पर सस्ता रेट, बेचने पर महंगे रेट का देते थे लालच

पूछताछ में पता चला कि आरोपित इसी जमीन को दिखाकर बहुत से व्यक्तियों से एग्रीमेंट करके पैसे ले लेते थे। ग्राहक को जमीन का सस्ता रेट बताकर तथा इन्हीं के गिरोह के अन्य साथी जमीन को आगे अधिक रेट में खरीदने का विश्वास दिलाकर ग्राहक से टोकन मनी ले लेते थे।

ग्राहक से की गई डील में इस्तेमाल किए गए फोन व सिमकार्ड को आरोपित तोड़ देते थे। इस तरह की धोखाधड़ी की वारदात को अंजाम देने के लिए कवींद्र भाटी जमीन का मालिक बनता था और गिरोह के अन्य सदस्य नाम बदलकर ग्राहक की तलाश करते थे।

आरोपित कवींद्र भाटी पर धोखाधड़ी, हत्या का प्रयास, गैंगस्टर एक्ट, आर्म्स एक्ट के तहत आठ केस उत्तर-प्रदेश के विभिन्न थानों में दर्ज हैं।

गाजियाबाद में ऐतिहासिक आदेश, पहली बार उपाध्यक्ष ने खुद की सब-जोन में जेई-एई की तैनाती

परिवहन विशेष न्यूज

जीडीए के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि किसी उपाध्यक्ष ने प्राधिकरण के आठों जोन के सब-जोन में जेई-एई की तैनाती खुद की है। जीडीए उपाध्यक्ष ने जोन-एक व दो की प्रवर्तन प्रभारी ओएसडी कनिका कौशिक को बनाया है। मास्टर प्लान अनुभाग में मुख्य नगर नियोजन अजय कुमार सिंह व नगर नियोजक अरविंद कुमार के अधीन दो सहायक अभियंता नेकराम राजपूत पवन गुप्ता को तैनात किया है।

गाजियाबाद। अवैध निर्माण व स्वीकृत नक्शे के विपरीत निर्माण रोकना जीडीए उपाध्यक्ष की प्राथमिकता में शामिल है। कामकाज में सुधार के लिए मंगलवार को जीडीए उपाध्यक्ष आइएएस अतुल वत्स ने ऐतिहासिक आदेश किया।

जीडीए के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि किसी उपाध्यक्ष ने प्राधिकरण के आठों जोन के सब-जोन में जेई-एई की तैनाती खुद की है। जीडीए उपाध्यक्ष ने जोन-एक व दो की प्रवर्तन प्रभारी ओएसडी कनिका कौशिक को बनाया है। जोन-एक में दो सहायक अभियंता रूदेश शुक्ला व बलवंत सिंह व जोन-दो में एक सहायक अभियंता योगेश कुमार पटेल को तैनात किया है।

गुंजा सिंह को बनाया जोन-तीन, चार व पांच की प्रवर्तन प्रभारी ओएसडी

जोन-तीन, चार व पांच की प्रवर्तन प्रभारी ओएसडी गुंजा सिंह को बनाया है। जोन-तीन में चार सहायक अभियंता दीप्ति चौहान, निशांत, अनिल शर्मा, सुधीर कुमार पांडेय, जोन-चार में तीन सहायक अभियंता अजित कुमार सिंह, प्रबुद्धराज सिंह, दान सिंह मेहरा, जोन-पांच में तीन सहायक अभियंता अनुज कुमार, चंद्रमौली पांडेय, संजय कुमार को तैनात किया है। जोन-छह का प्रवर्तन प्रभारी अधिशासी अभियंता आलोक रंजन को बनाया था।

इस जोन में तीन सहायक अभियंता संजय मेहरोत्रा, विनय वर्मा, पीयूष सिंह को तैनात किया है। जोन-सात का प्रवर्तन प्रभारी अधिशासी अभियंता राजकुमार वर्मा व जोन-आठ का प्रवर्तन प्रभारी अधिशासी अभियंता लवकेश कुमार को बनाया है। जोन-सात में सहायक अभियंता सुरजीत, जोन आठ में दो सहायक अभियंता प्रदीप कुमार, विनोद कुमार सिंह को तैनात किया है।

किसे मिली क्या जिम्मेदारी?

मास्टर प्लान अनुभाग में मुख्य नगर नियोजन अजय कुमार सिंह व नगर नियोजक अरविंद कुमार के अधीन दो सहायक अभियंता नेकराम राजपूत, पवन गुप्ता को तैनात किया है। विधि अनुभाग का प्रभारी ओएसडी गुंजा सिंह, भू-अर्जन अनुभाग का प्रभारी ओएसडी कनिका कौशिक को बनाया है।

संपत्ति अनुभाग में आवासीय संपत्ति का प्रभारी ओएसडी गुंजा सिंह व व्यावसायिक संपत्ति व किराया अनुभाग, कंप्यूटर व विज्ञापन अनुभाग का प्रभारी ओएसडी कनिका कौशिक को बनाया है। जीडीए उपाध्यक्ष ने स्पष्ट आदेश दिए कि सभी जोन के प्रवर्तन प्रभारी अपने जोन के अभियंत्रण, संपत्ति समेत सभी कार्यों के नोडल अधिकारी होंगे व सीधे जीडीए उपाध्यक्ष को रिपोर्ट करेंगे।

प्रवर्तन अनुभाग में तैनात सभी सहायक व अवर अभियंता आवंटित क्षेत्र में नियमित घूमेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि उनके क्षेत्र में स्वीकृति के विरूद्ध व बिना मानचित्र स्वीकृत कराए कोई निर्माण न हो। यदि डोर लेवल या स्लैब लेवल तक अवैध निर्माण पाया जाता है तो क्षेत्रीय अभियंता का दायित्व निर्धारित कर कार्रवाई की जाएगी।

प्रवर्तन के जोन व सब-जोन में तैनात अधिकारी व अभियंताओं को तबादला होने पर गूगल मैप की फोटो हस्ताक्षर कर अनिवार्य रूप से देनी होगी। इससे स्पष्ट रहेगा कि किसके कार्यकाल में अवैध निर्माण हुआ और आरोपित जिम्मेदारी व कार्रवाई से नहीं बच सकेंगे।

प्रवर्तन प्रभारी सुनिश्चित करेंगे कि उनके अधीन सहायक व अवर अभियंताओं द्वारा कार्य में लापरवाही न बरती जाए। साथ ही प्रत्येक माह की पहली तारीख को ध्वस्तीकरण व सीलिंग कार्रवाई के चिह्नित निर्माणों की सूची कार्ययोजना के साथ जीडीए उपाध्यक्ष का सौंपेगे।

धूप ढा रही सितम: गर्मी और लू से बचाव को एडवाइजरी जारी, दोपहर में बाहर जाने से बचें... जानें विशेषज्ञ की सलाह

गुरुग्राम। जिला आपदा एवं प्रबंधन प्राधिकरण के चेयरमैन एवं उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने कहा कि गर्मी के मौसम में हवा के गर्म थपेड़ों और बढ़े हुए तापमान से लू लगने का खतरा बढ़ जाता है, खासकर धूप में घूमने वालों, खिलाड़ियों, बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को लू लगने का डर ज्यादा रहता है। लू लगने पर उसके इलाज से बेहतर है, लू से बचे रहें। यानी बचाव इलाज से बेहतर है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग हरियाणा द्वारा जनहित में लू से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है, जिसका सभी को पालन करते हुए स्वास्थ्य सुरक्षा बनाए रखनी है।

उपायुक्त ने आमजन से आह्वान किया कि वे सरकार की ओर से जारी की गई एडवाइजरी की पालन करें और लू से बचे रहें। उन्होंने बताया कि लू से बचाव के लिए स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें और समाचार पत्र पढ़ें। गर्मी में हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें, अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं-भले ही प्यास न लगी हो।

ओआरएस (ओरल रीहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का मांड) नींबू-पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताजा रहें। गर्मी के मौसम में जंक फूड का सेवन न करें। ताजे फल, सलाद तथा घर में बना खाना खाएं। खासतौर से दोपहर 12 बजे से सायं 4 बजे के बीच धूप में सीधे न जाए। यदि बच्चे को चक्कर आए, उल्टी घबराहट अथवा तेज सिरदर्द हो, सीने में दर्द हो अथवा सांस लेने में कठिनाई हो तो चिकित्सक को दिखाएं।

उपायुक्त ने बताया कि बढ़ती गर्मी में वृद्ध एवं कमजोर व्यक्तियों की खास देखभाल करें, तेज गर्मी, खासतौर से जब वे अकेले हों, तो कम से कम दिन में दो बार उनकी जांच करें। ध्यान रहे कि उनके पास फोन हो, यदि वे गर्मी से बैचेनी महसूस कर रहे हों तो उन्हें ठंडक देने का प्रयास करें।

उपायुक्त ने बताया कि जानवरों को छाया में रखें और उन्हें पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें। यदि आपके पास कुत्ता है तो उसे गर्मी में न टहलाएं, उन्हें सुबह और शाम को घुमाएं जब मौसम ठंडा हो। कुत्ते को गर्म सतह (पटरी, तारकोल की सडक़, गर्म रेत) पर न टहलाएं।

लखनऊ क्या फिर बनेगा रक्षा मंत्री राजनाथ का 'रक्षा कवच'

अजय कुमार

लखनऊ के वोटर क्या तीसरी बार भी अपने सांसद और देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के लिये रक्षा कवच बनेंगे यह 04 जून को नतीजे आने पर पता चलेगा। वहीं विपक्षी खेमा राजनाथ सिंह की हैट्रिक नहीं पूरी होने देने की तमन्ना पाले हुए है और भाजपा के मजबूत किला को तोड़ने की तैयारी कर रहा है।

उत्तर प्रदेश की लखनऊ लोकसभा सीट देश की सबसे चर्चित सीटों में शामिल रही है। प्रभु श्रीराम के अनुज लक्ष्मण की नगरी लखनऊ ने अपने लम्बी जीवन यात्रा में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। यहां मुगलों ने भी शासन किया। इसी दौर में अवध की शाम की चर्चा ता समुंदर पार तक होने लगी, लेकिन इसमें खट्टी-मीठी दोनों तरह के यादें शामिल हैं। तहजीब के इस शहर के आबो-हवा और सुकून के चर्चे तो दुनियाभर में मशहूर हैं। इसी के लिए लोग यहां खिंचे चले आते हैं। लखनऊ शहर की खासियत के बारे में यहां के मशहूर शायर अजीज लखनवी ने लिखा है- 'वो आबो-हवा, वो सुकून, कहीं और नहीं मिलता। मिलते हैं बहुत शहर, मगर लखनऊ-सा नही नहीं मिलता'। यहां के वर्तमान सांसद देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हैं। भाजपा ने लगातार तीसरी बार राजनाथ सिंह को उम्मीदवार बनाया है। जबकि सपा ने इस बार रविदास मेहरोत्रा पर दांव लगाया है। वहीं बसपा ने अपने कोर वोटर के साथ अल्पसंख्यक मतदाताओं को रिझाने के लिए सरवर मलिक को चुनावी रण में उतारा है। इस बार यहां लड़ाई लगातार आठ बार से जीत हासिल कर रही भाजपा को अपना गढ़ बचाने की है और राजनाथ सिंह को अपने खुद की जीत की हैट्रिक लगाने की है।

लखनऊ के वोटर क्या तीसरी बार भी अपने सांसद और देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के लिये रक्षा कवच बनेंगे यह 04 जून को नतीजे आने पर पता चलेगा। वहीं विपक्षी खेमा राजनाथ सिंह की हैट्रिक नहीं पूरी होने देने की तमन्ना पाले हुए है और भाजपा के मजबूत किला को तोड़ने की तैयारी कर रहा है। अगर लोकसभा चुनाव 2019 की बात करें तो भाजपा के राजनाथ सिंह ने सपा बसपा के संयुक्त उम्मीदवार रहे अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा की पत्नी पूनम सिन्हा को 3,47,302 वोट से हराकर जीत हासिल की थी। इस चुनाव में राजनाथ सिंह को 6,33,026 और पूनम सिन्हा को 2,85,724 वोट मिले थे। जबकि कांग्रेस के आचार्य प्रमोद कृष्णम को 1,80,011 वोट मिले थे। वहीं लोकसभा चुनाव 2014 में मोदी लहर के दौरान इस सीट पर पहली बार राजनाथ सिंह उतरे और कांग्रेस के दिग्गज नेत्री रहे रीता बहुगुणा जोशी को 2,72,749 वोट से हराकर जीत हासिल की थी। इस चुनाव में राजनाथ सिंह को 5,61,106 और रीता बहुगुणा जोशी को 2,88,357 वोट मिले थे। जबकि बसपा के नकुल दुबे को 64,449 और सपा के अभिषेक मिश्रा को 56,771 वोट मिले थे। वहीं आम आदमी पार्टी के सैयद जावेद अहमद जाफ़री को 41,429 वोट मिले थे। लखनऊ लोकसभा क्षेत्र के जातीय समीकरण की बात करें तो यहां सामान्य और मुस्लिम वर्ग के मतदाता हैं। जिसमें ब्राह्मणों की संख्या अधिक है। इसके बाद मुस्लिम आबादी है, जिसमें शिया की संख्या ज्यादा है। फिर वैश्य समाज के मतदाता आते हैं। यहां कायस्थ वोटरों की भी अच्छी खासी संख्या है। इस सीट पर दलित और ओबीसी मतदाताओं की संख्या सामान्य और मुस्लिम वर्ग की तुलना में बेहद कम है।

बात अतीत की कि जाये तो 1951-52 में जब देश के पहले लोकसभा चुनाव हुए, उस वक्त उत्तर प्रदेश में लखनऊ जिला-बाराबंकी जिला और लखनऊ जिला मध्य नाम से दो सीटें थीं। लखनऊ जिला मध्य सीट से कांग्रेस की विजय लक्ष्मी पंडित जीती थीं। इसरी के साथ 1951 से लेकर 1984 तक दो बार के अलावा यहां से कांग्रेस की ही जीत का परचम फहराया। 1967 में निर्दलीय आनंद नारायण मुल्ला तो इमरजेंसी के बाद 1977 के आम चुनाव में भारतीय लोकदल से हेमवती नंदन बहुगुणा चुनाव जीते। देश में पहली बार 1951 में हुए आम चुनाव में कांग्रेस की विजय लक्ष्मी जो देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरु की बहन थीं, ने चुनाव जीता था।

1957 में पुलिन बिहारी बनर्जी, 1962 में बीके धवन, 1971 और 80 में शीला कौल ने बतौर कांग्रेस प्रत्याशी यहां से जीत हासिल की। इसके बाद 1989 में जनता दल से मांधाता सिंह फिर 1991 से 2004 तक पांच बार यहां से बीजेपी के अटल बिहारी वाजपेयी सांसद रहे, लेकिन दो चुनावों में अटल जी को हार का भी सामना करना पड़ा था। अटल जी के राजनीति से सन्यास लेने के बाद 2009 में बीजेपी लालजी टंडन यहां से सांसद बने। तत्पश्चात 2014 और 2019 में बीजेपी के राजनाथ सिंह यहां से सांसद चुने गये। तीसरी बार भी वह लखनऊ से किस्मत अजमा रहे हैं। वहीं, सपा ने रविदास मेहरोत्रा को अपना प्रत्याशी है। लोकसभा सीट के तहत पांच विधानसभाएं आती हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में लखनऊ लोकसभा में पड़ने वाली पांच में से तीन विधानसभा सीटों पर भाजपा को

जीत मिली थी। वहीं, दो सीटों पर सपा के उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की थी।

बहरहाल, अतीत के पन्नों मो पलटा जाये तो पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी लगातार पांच बार यहां से सांसद रहे हैं। उसी दौरान यहां बीजेपी ने अपनी मजबूत पकड़ बना ली थी। उनके समय से ही इस सीट पर भाजपा का दबदबा हो गया, जो सिलसिला फिर रूका नहीं। यहां के वर्तमान सांसद देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हैं। भाजपा ने लगातार तीसरी बार राजनाथ सिंह को उम्मीदवार हैं। कुल मिलाकर प्रदेश में भले ही शासन करने वाले राजनैतिक दल बदलते रहे हों, पर लोकसभा चुनाव में राजधानी में कांग्रेस और भाजपा का वर्चस्व रहा है। इस वर्चस्व के बावजूद लखनऊ की संसदीय सीट पर वर्ष 1967 में निर्दलीय प्रत्याशी की जीत का डंका बजा। उस समय आनंद नारायण मुल्ला ने कांग्रेस के वीआर मोहन को आसानी से मात दी थी। आनंद नारायण मुल्ला कश्मीरी ब्राह्मण थे। उनके पिता जगत नारायण मुल्ला मशहूर सरकारी वकील थे। आनंद नारायण वकालत करने के साथ ही उर्दू के कवि भी थे। उनकी रचनाओं पर उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

वर्ष 1967 में जब लोकसभा चुनाव की घोषणा हुई तो उन्होंने भी पर्चा दाखिल किया। देश में उस समय कांग्रेस की लहर चल रही थी। इसके बावजूद स्थानीय स्तर पर उनकी लोकप्रियता चरम पर थी। इसी के बूते वे चुनाव में खड़े हो गए। चुनाव में कांग्रेस से उनके मुकाबले वेद रत्न मोहन मैदान में उतरे। वेद रत्न मोहन लखनऊ के पूर्व मेयर रह चुके थे तथा साधन-संपन्नता में भी कोई कमी नहीं थी। भारतीय जनसंघ से चुनाव में आरसी शर्मा को टिकट मिला था। रिजल्ट की घोषणा हुई तो पहले स्थान पर आनंद नारायण मुल्ला रहे और उन्हें 92,535 वोट मिले। दूसरे नंबर पर वेद रत्न मोहन थे, और उनके खाते में 71,563 वोट आए। वहीं आरसी शर्मा को 60,291 वोट मिले और वे तीसरे नंबर पर रहे। इस चुनाव में एक अन्य निर्दलीय प्रत्याशी का नाम भी चर्चा में था। सिटी मांटेसरी स्कूल के संस्थापक जगदीश गांधी ने भी निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा था। इस चुनाव में उन्हें 9449 मत मिले। अलीगढ़ से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में विधानसभा चुनाव जीत चुके जगदीश गांधी ने इससे पहले वर्ष 1962 का लोकसभा का चुनाव भी लड़ा था। हालांकि उस बार भी उनको हार झेलनी पड़ी। चुनाव में 14774 वोट के साथ वे तीसरे नंबर पर रहे।

किआ जल्द लाएगी ये चार इलेक्ट्रिक कारें, जानें कब तक होंगी लॉन्च

परिवहन विशेष न्यूज

साउथ कोरियाई वाहन निर्माता Kia भारत में कई बेहतरीन कारों और एसयूवी को ऑफर करती है। कंपनी की ओर से जल्द ही चार Electric Cars को पेश किया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी की ओर से भारत में किस सेगमेंट में किस और कब तक इन चारों EV को लाने की तैयारी की जा रही है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारत के ऑटोमोबाइल जगत में बेहद कम समय में अपनी पहचान बनाने वाली साउथ कोरियाई कार निर्माता Kia जल्द ही नई Electric Cars को लाने की तैयारी की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी की ओर कब तक और किस सेगमेंट में किस EV को लाया जा सकता है। हम इस खबर में आपको बता रहे हैं।

Kia EV9

साउथ कोरियाई वाहन निर्माता Kia की ओर से भारतीय बाजार में अपना पोर्टफोलियो को बढ़ाते हुए EV9 को भी पेश किया जा सकता है। कंपनी की ओर से इस इलेक्ट्रिक एसयूवी को जनवरी 2023 में ऑटो एक्सपो में भी शोकेस किया जा चुका है। जानकारी के मुताबिक इस इलेक्ट्रिक एसयूवी को सिंगल चार्ज में करीब 500 किलोमीटर तक चलाया जा सकता है। इसके साथ ही इसे तीन रो सीट्स के साथ लाया जा सकता है। कंपनी इस EV को भारत में बनाने की जगह आयात कर सकती है।

Kia Clavis SUV

EV सेगमेंट में किआ की ओर से दूसरी एसयूवी के तौर पर Kia Clavis को भारतीय बाजार में पेश किया जा सकता है। सब फोर मीटर सेगमेंट वाली इस एसयूवी को टेस्टिंग के दौरान कई बार साउथ कोरिया के साथ ही भारत में भी देखा जा चुका है। जानकारी के मुताबिक कंपनी इसके आईसीई वेरिएंट को भी बाद में ला सकती है। कंपनी की ओर से हाल में ही Syros नाम को ट्रेडमार्क करवाया गया है, ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि Clavis को भारत में Syros नाम दिया जा सकता है।

Kia Carens

किआ की ओर से बजट एमपीवी सेगमेंट में ऑफर की जाने वाली Carens का इलेक्ट्रिक वर्जन भी ला सकती है। हाल में ही इसके फेसलिफ्ट वेरिएंट को टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। जिसके साथ ही इस बात की उम्मीद भी की जा रही है कि इसके आईसीई वर्जन के फेसलिफ्ट के साथ ही EV वर्जन को भी भारत में पेश किया जा सकता है।

Kia EV6 Facelift

किआ ने हाल में ही EV6 के Facelift वर्जन को ग्लोबल बाजार में पेश किया है। जिसमें इसके डिजाइन में कई बदलाव किए गए हैं। इसके साथ ही इस एसयूवी के इंटीरियर को भी अपडेट किया गया है। ग्लोबल बाजार में पेश करने के बाद उम्मीद की जा रही है कि इसे जल्द ही भारतीय बाजार में भी अपडेट किया जाएगा।

कब आएंगी भारत

कंपनी की ओर से अभी इन सभी Electric Cars को लेकर किसी भी तरह की जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। लेकिन उम्मीद की जा रही है कि इन सभी को फेस्टिव सीजन के शुरू होने के साथ ही भारत में लाया जा सकता है और इस क्रम को अगले साल की पहली तिमाही तक जारी रखा जा सकता है।

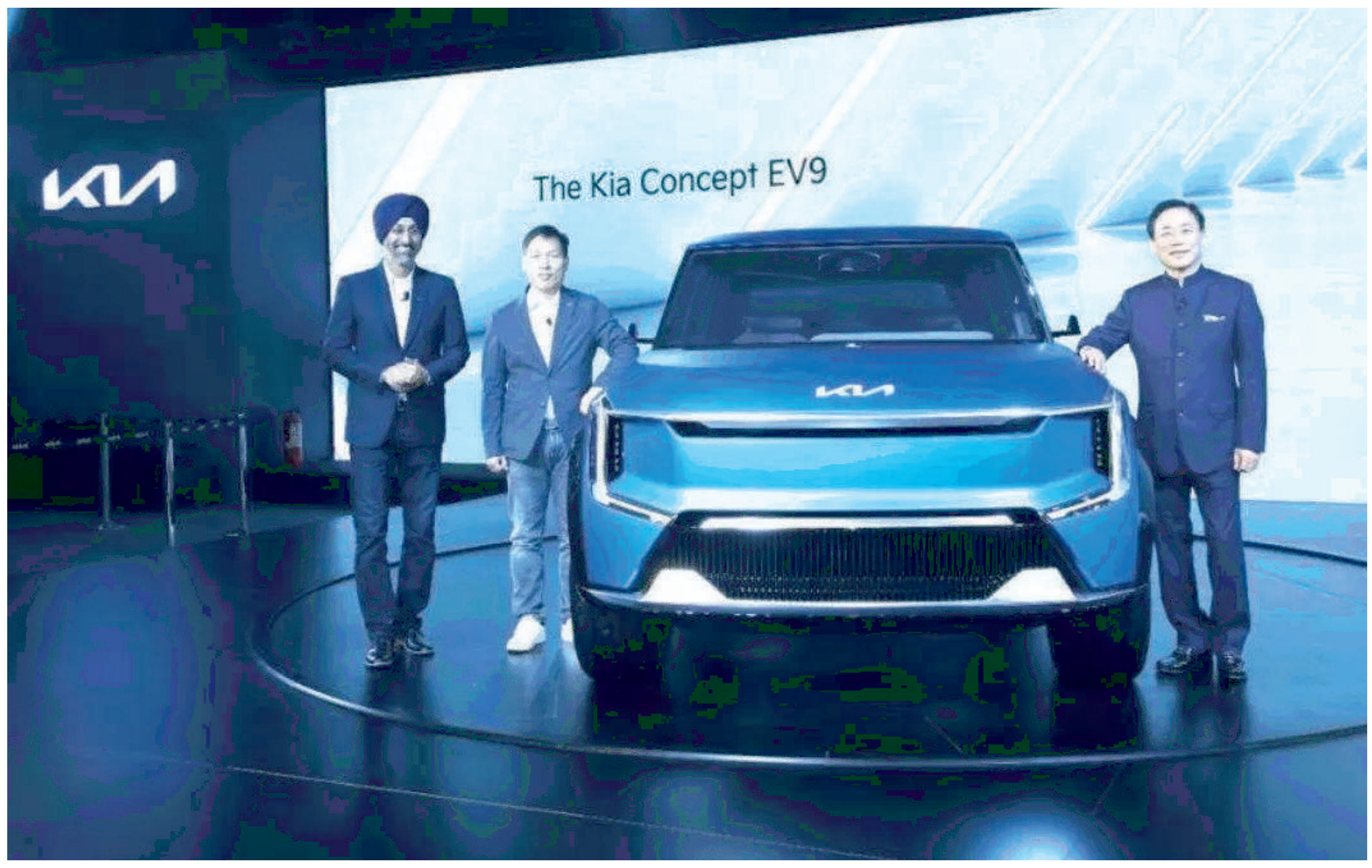

सड़क परिवहन मंत्रालय ने अफसरों से हाईवे पर अतिक्रमण की मांगी रिपोर्ट, कहा - अवैध कब्जों की समस्या पर जरूर गौर करें

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने अपने अफसरों के लिए हाईवे में निर्माण और रखरखाव के निरीक्षण में इस समस्या की ओर से खास तौर पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा है। हाईवे की जिम्मेदारी संभालने वाले अधिकारियों को भी यह निर्देश दिए गए हैं कि वे अवैध कब्जों या अतिक्रमण की जानकारी मिलने पर उसे तत्काल हटाने की कार्रवाई करें।

नई दिल्ली। देश में राजमार्गों पर अवैध कब्जों और अतिक्रमण पर एक बार फिर चिंता जताते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने अपने अफसरों के लिए हाईवे में निर्माण और रखरखाव के निरीक्षण में इस समस्या की ओर से खास तौर पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा है। मंत्रालय ने अफसरों से कहा है कि वे अपनी निरीक्षण रिपोर्ट में अनिवार्य रूप से अवैध कब्जों और अतिक्रमण के तथ्य उजागर करें।

अधिकारियों को अतिक्रमण हटाने के निर्देश

हाईवे की जिम्मेदारी संभालने वाले अधिकारियों को भी यह निर्देश दिए गए हैं कि वे अवैध कब्जों या अतिक्रमण की जानकारी मिलने पर उसे तत्काल हटाने की कार्रवाई करें। मंत्रालय इसके पहले भी राज्यों के मुख्य सचिवों को चिट्ठी लिखकर राजमार्गों से अतिक्रमण हटाने के लिए कह चुका है।

एनएचएआइ ने लिया ये एक्शन

इस बार एनएचएआइ के सभी परियोजना निदेशकों, एनएचआइडीसीएल के महाप्रबंधकों और राज्यों के लोक निर्माण विभाग के एक्जीक्यूटिक इंजीनियरों को हाईवे में निर्माण और रखरखाव के कार्यों की निगरानी के लिए उनकी जिम्मेदारी याद दिलाई गई है।

मंत्रालय ने क्या कहा?

मंत्रालय ने कहा है कि निरीक्षणों की इस तरह योजना बनाई जानी चाहिए कि सभी कार्य और सड़कों के हिस्से कवर हों। हाईवे की निगरानी और निरीक्षण की प्रक्रिया बनी हुई है, लेकिन क्षेत्रीय अधिकारी इसके प्रति गंभीरता नहीं दिखाते।

चार साल पहले मंत्रालय ने तमाम गाइडलाइन और सर्कुलरों की समीक्षा के बाद चीफ इंजीनियर स्तर तक के अधिकारी के लिए महीने में दो बार हाईवे में कामों की गुणवत्ता के निरीक्षण की जिम्मेदारी तय की थी, लेकिन इसका कोई फर्क अभी तक नहीं पड़ा है।

भारत के बाद अब इटली में जलवा बिखेरेगी ये देसी टू-व्हीलर कंपनी, विदेशी धरती पर शुरू हुई सेल

नई दिल्ली। टीवीएस मोटर कंपनी ने बुधवार को कहा कि उसने पारंपरिक और इलेक्ट्रिक स्कूटर के साथ-साथ मोटरसाइकिलों की एक सीरीज पेश करने की योजना के साथ इटली में अपना परिचालन शुरू कर दिया है।

TVS Motor इटली में बिखेरेगी जलवा

कंपनी ने एक नियामक फाइलिंग में कहा कि कंपनी अपने शाखा कार्यालय, टीवीएस मोटर इटालिया के माध्यम से इटली में अपने परिचालन का विस्तार कर रही है, जिसके प्रमुख जियोवानी नोटारबार्टोलो डि फर्नारी हैं।

फर्नारी संभालेंगे जिम्मेदारी

फर्नारी के पास इटली, लैटिन अमेरिका, यूएई और यूरोप की प्रमुख ऑटोमोटिव कंपनियों में वरिष्ठ प्रबंधकीय भूमिकाओं का व्यापक अनुभव है। टीवीएस मोटर कंपनी के अध्यक्ष, प्रमुख समूह रणनीति शरद मोहन मिश्रा ने कहा, ₹इटली में हमारा कदम हमारी वैश्विक महत्वाकांक्षाओं की दिशा में एक रणनीतिक कदम है।₹

इन प्रोडक्ट्स की होगी बिक्री

कंपनी अपनी टीवीएस अपाचे 310 सीरीज बाइक पेश करेगी, जो आरआर और आरटीआर संस्करणों में उपलब्ध है, जिसे बीएमडब्ल्यू के सहयोग से विकसित किया गया है। इतालवी बाजार के लिए अन्य उत्पादों में टीवीएस रोनिन 250, टीवीएस रेडर, टीवीएस एनटॉर्क, टीवीएस ज्यूपिटर 125, टीवीएस आईक्यूब और टीवीएस एक्स भी शामिल हैं।

इंडियन मार्केट में लॉन्च होंगी ये 3 नई कॉम्पैक्ट एमपीवी, मारुती से लेकर निसान लिस्ट में शामिल

Maruti Suzuki की नई Compact MPV के 2026 तक भारतीय बाजार में पेश किए जाने की उम्मीद है। इसे अर्टिगा के नीचे रखा जाएगा। भारतीय बाजार में सबसे पहले साल 2019 में लॉन्च हुई रेनो ट्राइबर एमपीवी में अभी तक कोई बड़ा अपडेट नहीं हुआ है। Renault के सहयोग से जापानी कार निर्माता अपने पोर्टफोलियो में एक नई एमपीवी पेश करने के लिए तैयार है।

नई दिल्ली। रेनॉल्ट ट्राइबर वर्तमान में भारतीय बाजार में एकमात्र कॉम्पैक्ट एमपीवी है और यह हर महीने अच्छी मात्रा में बिक रही है। मारुति सुजुकी YDB कोडनेम वाले एक नए उत्पाद के साथ इस मार्केट स्पेस में डेब्यू करने की तैयारी कर रही है। इस बीच, रेनो ट्राइबर का अगली पीढ़ी का मॉडल भी पेश करेगी और यह निसान डेरिवेटिव को भी पेश करेगी। इस तरह इंडियन मार्केट कुल नई कॉम्पैक्ट एमपीवी देखी जा सकती हैं। आइए, इनके बारे में जान लेते हैं।

Maruti Suzuki की Compact MPV

Maruti Suzuki की नई Compact MPV के 2026 तक भारतीय बाजार में पेश किए जाने की उम्मीद है। इसे अर्टिगा के नीचे रखा जाएगा, जिससे एक सक्षम और किफायती स्टिकर प्राइस डिसाइड किया जा सके। YDB कोडनेम वाली ये Compact MPV अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बेची जाने वाली सुजुकी स्पेसिया पर आधारित होगा। उम्मीद है कि इस एमपीवी में 1.2-लीटर 3-सिलेंडर जेड-सीरीज पेट्रोल इंजन का उपयोग किया जाएगा, जो हाल ही में नई पीढ़ी की स्विफ्ट में शुरू हुआ था।

New-Gen Renault Triber

भारतीय बाजार में सबसे पहले साल 2019 में लॉन्च हुई रेनो ट्राइबर एमपीवी में अभी तक कोई बड़ा अपडेट नहीं हुआ है। वर्तमान में भारतीय बाजार में सबसे किफायती 7-सीटर पेशकश, ट्राइबर को जनवरी में वर्ष 2024 के लिए एक मामूली फीचर अपडेट मिला और इसकी रेंज 5.99 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है।

इस कॉम्पैक्ट एमपीवी को अब जनरेशन अपडेट मिलने वाला है और हमें उम्मीद है कि यह वर्ष 2025-2026 में किसी समय आ जाएगी। हालांकि, नई पीढ़ी की ट्राइबर के बारे में कोई खास जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है।

New Nissan MPV

Renault के सहयोग से जापानी कार निर्माता अपने पोर्टफोलियो में एक नई एमपीवी पेश करने के लिए तैयार है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कॉम्पैक्ट एमपीवी रेनो ट्राइबर पर आधारित होगी और इसकी लंबाई 4 मीटर से थोड़ी कम होगी। हम उम्मीद करते हैं कि निसान की ओर से इसे रेनो समकक्ष से अलग करने के लिए पैकेज में महत्वपूर्ण बदलाव करेगा। हालांकि पावरट्रेन ऑप्शन के साथ-साथ अंडरपिनिंग समान रहने वाली है।

हुंडई अलकज़ार फेसलिफ्ट टेस्टिंग के दौरान फिर आई नजर, जानें एक्सटीरियर से लेकर इंटीरियर तक की डिटेल्स

परिवहन विशेष न्यूज

अल्कजार फेसलिफ्ट का डिजाइन क्रेटा से प्रेरित होगा लेकिन क्रेटा की तुलना में हम कुछ अंतर देख सकते हैं। जैसे कि फ्रंट ग्रिल के लिए एक नया पैटर्न जो थोड़ा बड़ा लगता है और डीआरएल में कुछ बदलाव हो सकते हैं। अपडेटेड अल्कजार यांत्रिक रूप से अपरिवर्तित रहेगी। इसका परिचित 1.5 लीटर सीआरडीआई डीजल इंजन 115 बीएचपी और 250 एनएम पीक टॉर्क उत्पन्न करता है।

नई दिल्ली। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (HMIL) वर्तमान में Alcazar के मिड-लाइफ फेसलिफ्ट पर काम कर रही है। अपनी सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी क्रेटा को नया स्वरूप देने के बाद कंपनी अब इसकी 7-सीटर सिब्लिंग को अपडेटेड करने के साथ कई नए फीचर्स भी जोड़ेगी। इसे फिर से टेस्टिंग के दौरान स्पॉट किया गया है।

Hyundai Alcazar Facelift का संभावित डिजाइन

अल्कजार फेसलिफ्ट का डिजाइन क्रेटा से प्रेरित होगा, लेकिन क्रेटा की तुलना में हम कुछ अंतर देख सकते हैं। जैसे कि फ्रंट ग्रिल के लिए एक नया पैटर्न जो थोड़ा बड़ा लगता है और डीआरएल में कुछ बदलाव हो सकते हैं। इसके अलावा, नवीनतम स्पाई शॉट्स में अलॉय व्हील का नया सेट भी देखा जा सकता है और ये 18-इंच यूनिट नजर आ रहे हैं। टेस्टिंग प्रोटोटाइप को ADAS रडार को स्पोर्ट करते हुए भी देखा जा सकता है, जिससे पुष्टि होती है कि फेसलिफ्ट मॉडल को लेवल-2 एडास सूट मिलेगा।

इंटीरियर और फीचर्स

केबिन के अंदर, क्रेटा फेसलिफ्ट के नए डैशबोर्ड को अपडेटेड अल्कजार के साथ आगे बढ़ाया जा सकता है। साथ ही बोर्ड पर नए फीचर्स जैसे डुअल 10.25-इंच डिस्प्ले, डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल सिस्टम, वेंटिलेटेड सीट्स और पैनोरमिक सनरूफ जैसे फीचर्स मिलेंगे। इसके अलावा, कलर थीम और अपल्होस्ट्री एक फ्रेस अपील प्रदान करेंगे। हालांकि, केबिन स्पेस और सीटिंग लेआउट वैसे ही रहेगा।

इंजन और परफॉरमेंस

अल्कजार फेसलिफ्ट का इंजन ऑप्शन वही रहेगा। इसका परिचित 1.5 लीटर सीआरडीआई डीजल इंजन 115 बीएचपी और 250 एनएम पीक टॉर्क उत्पन्न करता है। इस पावरट्रेन को 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड टॉर्क कनवर्टर ऑटोमैटिक के साथ जोड़ा गया है, जो अलकजार को पावर देना जारी रखेगा। इसके साथ ही 158 bhp और 253 Nm का पीक टॉर्क पैदा करने वाला 1.5-लीटर tGDi पेट्रोल इंजन पैकेज का हिस्सा होगा।

नई शिक्षा नीति से उम्मीदें

डा. वरिंद्र भाटिया

हर क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय संबंध बढ़ रहे हैं। शिक्षा का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं है। उच्च शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण एक ऐसा व्यापक बदलाव है, जो देशों की सीमाओं को पार करके शिक्षा जगत को समृद्ध बना रहा है और छात्रों को वैश्विक दुनिया के लिए तैयार कर रहा है। भारत की नई शिक्षा नीति (एनईपी) देश की शिक्षा व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव लाने की कोशिश है और उच्च शिक्षा के फैलाव में मददगार है।

हर क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय संबंध बढ़ रहे हैं। शिक्षा का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं है। उच्च शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण एक ऐसा व्यापक बदलाव है, जो देशों की सीमाओं को पार करके शिक्षा जगत को समृद्ध बना रहा है और छात्रों को वैश्विक दुनिया के लिए तैयार कर रहा है। भारत की नई शिक्षा नीति (एनईपी) देश की शिक्षा व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव लाने की कोशिश है और उच्च शिक्षा के फैलाव में मददगार है। एनईपी का लक्ष्य बच्चों का सर्वांगीण विकास, कौशल विकास और नवाचार को बढ़ावा देना है। हालांकि इस नीति को लागू करने में दिक्कतें आ सकती हैं, लेकिन यह नीति भारत की शिक्षा व्यवस्था के लिए एक नया रास्ता दिखाती है'

भारत की नई शिक्षा नीति को 2020 में मंजूरी दी गई थी। यह नीति पिछले 30 सालों से चली आ रही शिक्षा नीति 1986 को बदल देती है। इसका उद्देश्य शिक्षा प्रणाली को 21वीं सदी की जरूरतों के हिसाब से बदलना और भारत की संस्कृति और विविधता को बनाए रखते हुए वैश्विक स्तर पर लाना है। नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 भारत के शिक्षा क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव है। यह 2020 में लागू की गई थी और 1986 की पुरानी शिक्षा नीति की जगह लेती है। एनईपी का लक्ष्य 21वीं सदी की चुनौतियों के लिए भारत के छात्रों को तैयार करना है। यह नीति पूरे शिक्षा तंत्र को बदलने की कोशिश करती है, जिसमें बचपन की शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा और कौशल विकास तक सब कुछ शामिल है। एनईपी सिर्फ किताबों से पढ़ाई पर जोर नहीं देती, बल्कि समग्र विकास पर ध्यान देती है। इसमें अलग-अलग विषयों को एक साथ पढ़ाने और कम उम्र से ही व्यावसायिक कौशल सिखाने पर बल दिया गया है। नई शिक्षा नीति से जुड़ी कुछ समस्याएं हैं जिन पर ध्यान देना जरूरी है। हमारे यहां योग्य अध्यापकों की कुछ कमी है। शिक्षकों और छात्रों दोनों को ही पढ़ाने और सीखने के नए तरीके अपनाने होंगे। कंपनियों को जिन कौशलों की जरूरत है, वो अक्सर छात्रों के सीखे हुए कौशल से मेल नहीं खाते। शिक्षा पर सरकारी खर्च कम हो रहा है, जिससे अच्छी शिक्षा देना मुश्किल हो जाता है। उच्च शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए हमें इन पर ध्यान देना होगा। पढ़ाई को उद्योग जगत की जरूरतों के हिसाब से बनाना है ताकि छात्रों को नौकरी मिलने में आसानी हो। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 कौशल विकास पर बहुत जोर देती है। इसका लक्ष्य छात्रों को जरूरी हुनर देना है ताकि वे आज के नौकरी के बाजार में सफल हो सकें।

एनईपी-2020 सिर्फ रट्टा लगाकर परीक्षा पास करने वाली पढ़ाई को खत्म करना चाहती है। अब छात्रों को वो चीजें सीखने को मिलेंगी जो उनके काम आएं। कौशल विकास को मुख्य शिक्षा के साथ जोड़ा जाएगा ताकि छात्र कंप्यूटर, डिजिटल दुनिया और नई टेक्नोलॉजी के बारे में सीख सकें। एनईपी-2020 मानती है कि शिक्षा को अकेले नहीं पढ़ाया जा सकता, उसे कंपनियों की जरूरतों के हिसाब से भी बनाना जरूरी है। 'नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क' जैसी चीजों की मदद से स्कूलों में पढ़ाई को कंपनियों की जरूरतों के हिसाब से बनाया जाएगा ताकि छात्रों को वो हुनर मिलें जिन्हें कंपनियां ढूंढ रही हैं। स्कूलों में ही छात्रों को कौशल विकास और काम के माहौल की आदत डाली जाएगी। आज के जमाने में टेक्नोलॉजी सिर्फ एक मददगार नहीं है, बल्कि सीखने का जरूरी हिस्सा है। नई शिक्षा नीति चाहती है कि टेक्नोलॉजी की मदद से कौशल विकास के नए-नए तरीके अपनाए जाएं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से सीखने के तरीके और इंटरेक्टिव टूल बनाए जाएंगे ताकि हर तरह का छात्र आसानी से सीख सके। कक्षाओं में कई तरह की टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके पढ़ाई को ज्यादा मजेदार और आसान बनाया जा सकता है। इससे अलग-अलग तरह से सीखने वाले छात्रों को भी फायदा होगा और पैसों की भी बहुत ज्यादा जरूरत नहीं पड़ेगी।

प्राचीन ज्ञान का सम्मान (देशी ज्ञान प्रणाली) हमारी धरोहर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। देशी ज्ञान प्रणाली पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही वह ज्ञान की परंपरा है जिसने हमारी संस्कृति और समाज को समृद्ध बनाया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का एक अहम हिस्सा है देशी ज्ञान प्रणाली। इसमें विज्ञान, तकनीक, साहित्य, दर्शन, कला, चिकित्सा (आयुर्वेद) और योग जैसे कई क्षेत्रों का ज्ञान शामिल है। यह प्राचीन काल से चला आ रहा ज्ञान है जिसे पीढ़ी दर पीढ़ी सहेजा गया है। प्राचीन भारत में नालंदा और तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालयों में 'अठारह विद्या स्थानों' के माध्यम से हर तरह का ज्ञान दिया जाता था। देशी ज्ञान प्रणाली पूरे भारतीय उपमहाद्वीप, बर्मा से लेकर आज के अफगानिस्तान और हिमालय से लेकर हिंद महासागर तक के क्षेत्र के ज्ञान को समेटे हुए है। यह कला, स्थापत्य, विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग, दर्शन और परंपराओं में भारत के वैश्विक योगदान को दर्शाता है। पश्चिमी ज्ञान और शासन व्यवस्था से अलग रहने वाले समुदायों के लिए देशी ज्ञान को बचाना बहुत जरूरी है। पीढियों से चली आ रही यह परंपरा प्रकृति के साथ संतुलित रहने का ज्ञान देती है। यह ज्ञान स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल होता है और पर्यावरण को बनाए रखने पर बल देता है। आधुनिक शिक्षा में देशी ज्ञान को शामिल करके हम आज की और आने वाली चुनौतियों का सामना कर सकते हैं।

टेक्नोलॉजी की मदद से प्राचीन ज्ञान को आसानी से फैलाया जा सकता है। इस समय उच्च शिक्षा की सर्वप्रमुख चुनौती है- सभी प्रदेशों में एक समान शिक्षा नीति का न होना। हालांकि शिक्षा को समवर्ती सूची के अंतर्गत रखा गया है और राज्यों पर कोई भी पाठ्यक्रम केंद्र द्वारा थोपा नहीं जा सकता। पर, परस्पर समन्वय स्थापित कर एक सम्यक, समावेशी, सुदृढ़, समग्र और संतुलित पाठ्यक्रम का ढांचा सामने रखा जा सकता है। कई विद्वानों का तर्क है कि जब इस संप्रभु देश का राष्ट्रगान एक है, राष्ट्रीय गीत एक है, राष्ट्रीय चिह्न एक है, एक राष्ट्रीय पक्षी है, तो एक शिक्षा पद्धति क्यों नहीं? नई शिक्षा नीति इस कमी को पूरा करने में सक्षम है। नई शिक्षा नीति के जरिये भारत में शिक्षा व्यवस्था में परीक्षा और मूल्यांकन के तरीकों में सुधार किया जा रहा है। इन सुधारों का लक्ष्य शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाना, छात्रों का तनाव कम करना और मूल्यांकन की एक बेहतर व्यवस्था बनाना है।

हर्टोग समिति और सैडलर कमीशन ने इस बात पर जोर दिया है कि शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए छात्रों के मूल्यांकन के तरीके को बदला जाना चाहिए। 1968 और 1986 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इस बात पर जोर दिया गया कि परीक्षा सिर्फ प्रमाणपत्र देने के लिए नहीं होनी चाहिए, बल्कि बच्चों की पढ़ाई को बेहतर बनाने के लिए होनी चाहिए। आज दुनिया एक गांव की तरह हो गई है। हर क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय संबंध बढ़ रहे हैं। शिक्षा का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं है। उच्च शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण एक ऐसा व्यापक बदलाव है, जो देशों की सीमाओं को पार करके शिक्षा जगत को समृद्ध बना रहा है और छात्रों को वैश्विक दुनिया के लिए तैयार कर रहा है। भारत की नई शिक्षा नीति (एनईपी) देश की शिक्षा व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव लाने की कोशिश है और उच्च शिक्षा के फैलाव में मददगार है। एनईपी का लक्ष्य बच्चों का सर्वांगीण विकास, कौशल विकास और नवाचार को बढ़ावा देना है। हालांकि इस नीति को लागू करने में दिक्कतें आ सकती हैं, लेकिन यह नीति भारत की शिक्षा व्यवस्था के लिए एक नया रास्ता दिखाती है। इससे उम्मीद है कि भविष्य में शिक्षा सभी के लिए सुलभ, ज्यादा जरूरी और बेहतर हो सकेगी।

संपादकीय

चुनाव का सबसे बड़ा युद्ध

हिमाचल का सबसे बड़ा चुनाव (उपचुनाव) धर्मशाला में प्रदेश की सियासत से मुखातिब है। यह भौगोलिक अपेक्षाओं, हिमाचल के पुनर्गठन, ऊपरी-निचले हिमाचल के संतुलन, विकास के मॉडल, नए नेतृत्व की डगर और कांगड़ा के भंवर पर खड़ा पुकार रहा है।

विडंबना यह है कि करीब डेढ़ साल बाद ही सुक्खू सरकार को धर्मशाला के मंच पर अपना पक्ष, सफाई और वचनबद्धता को प्रमाणित करने की चुनौती मिली है। ऐसे में मंगलवार के दिन नामांकन पत्र पेश नहीं हुए, बल्कि सियासत का स्रोत, मतदाता का होश और नेताओं का कोष भी देखा गया। जाहिर तौर पर यहां सुधीर शर्मा का मुकाबला, देवेंद्र सिंह जग्गी से नहीं, बल्कि सीधे मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के निजाम से है, इसलिए चुनाव में तिनके तिनके बटोरे जा रहे हैं। प्रदेश की सबसे बड़ी बिसात पर सत्ता की इज्जत का सवाल इसलिए भी है क्योंकि कांग्रेस से छीना गया साम्राज्य, इसी दुर्ग की कैद में है।

अगर सुक्खू अपने दल-बल के साथ चढ़ाई करके सुधीर शर्मा को परास्त करते हैं, तो सारे जख्म मिट जाएंगे वरना प्रतिकूल परिणाम की आंच राजनीति के जाने कौनसे अध्याय लिखेगी। नामांकन पत्र दाखिल करके भाजपा ने अनुराग ठाकुर की विरासत में सुधीर शर्मा का घोंसला बनाया है, तो सरकार ने जग्गी पर अपना चेहरा लगाया है।

हिमाचल की राजनीति पुनः शांता कुमार के दौर में लौट कर ज्वालामुखी कांड को याद कर रही है। तब प्रेम कुमार धूमल का पक्ष और उनके पैरोकार सामने आए थे।

अब धर्मशाला में सुधीर बनाम सुक्खू के बीच यह उपचुनाव तय करेगा कि हिमाचल की अगली सियासत में किसका दांव भारी पड़ेगा। यह खेल इतना भी आसान नहीं कि आसान सी शब्दावली पर लड़ा जाए।

अब न सुधीर बागी और न ही सरगना रहा, वह अपने अस्तित्व की मचान पर अपने दौर के विकास पर लड़ रहा है। इसीलिए सुधीर शर्मा की नुक्कड़ बैठकों में बतौर विधायक एवं उसके मंत्रित्व काल का विकास योद्धा बनकर उभर रहा है। सुधीर शर्मा के पास महज तर्क नहीं, विकास के अध्याय और विजन की चौपाटी है। नुक्कड़ सभाओं तक कंक्रीट के रोड, हैंडपंपों का पानी, खेल के मैदान ही नहीं, स्मार्ट सिटी का पैगाम भी पहुंच रहा है। धर्मशाला अपने रोपवे से विधानसभा के इस रोचक चुनाव को देख रहा है, तो कहीं उन मील पत्थरों को भी निहार रहा है, जहां जदरांगल में केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर की उदास आंखों में तीस करोड़ का भुगतान या चैतड़ आईटी पार्क के रुके हुए अरमान दिखाई दे रहे हैं।

धर्मशाला स्वाभाविक रूप से हर सरकार के दौर का मुआयना है और उन सियासी परंपराओं का अनुसरण भी जो वीरभद्र सिंह की हर पारी को यहां पहुंचाती रही। ठाकुर राम लाल के मंत्रिमंडल की बैठक से शुरू हुआ यह सफर शीतकालीन राजधानी तक पहुंचा।

भले ही धूमल सरकार ने धर्मशाला में हिमाचल भवन का नामोनिशान मिटाया, लेकिन अपने कार्यकाल में मुख्यमंत्री सचिवालय बनवा कर मंत्रियों को धर्मशाला में बैठाया। प्रेम कुमार धूमल ने भले ही आरंभिक तौर पर कांगड़ा के विभाजन से सत्ता के केंद्र में जिला के पालमपुर, देहरा व नूरपुर की नेतागिरी को आगे बढ़ाया, लेकिन उस वक्त के शिखर पर रहे रविंद्र सिंह रवि का चमत्कार अस्त हो गया। कमोबेश वर्तमान सरकार में भी जिला के कद्दावर नेता सुधीर शर्मा की उपेक्षा में बंटे कैबिनेट रैंक केवल चुगलखोरी में तबदील हो चुके हैं। गलती भाजपा की सत्ता से भी हुई, स्मार्ट सिटी, केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर, शीतकालीन राजधानी से शीतकालीन प्रवास तक हुई। उसके दौर में किशन कपूर, रमेश धवाला और विपिन सिंह परमार की जमीन का खिसकना अगर स्वाभाविक नहीं था, तो आज कांग्रेस के दुर्ग से दुत्कारे गए सुधीर शर्मा का संताप भी फर्जी नहीं है। अंततः धर्मशाला उपचुनाव दो बड़े नेताओं के कद में कदमताल कर रहा है। किसी एक को निश्चित ही घायल होना पड़ेगा।

राय

मुद्रास्फीति के विरोधाभासी रुख

एक मुद्रास्फीति कम हुई है, तो दूसरी महंगाई दर बढ़ी है। आप अचंभित न हों, क्योंकि महंगाई हमारे जीवन का अंतरंग हिस्सा बन गई है। सरकार मानने को तैयार नहीं है, जबकि भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) चिंतित है। अप्रैल में खुदरा मुद्रास्फीति में मामूली गिरावट आई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित खुदरा महंगाई दर 4.83 फीसदी है, जो बीती मार्च में 4.85 फीसदी थी। हालांकि यह दर 11 माह के दौरान सबसे कम मुद्रास्फीति है। इसी दौरान खाने-पीने की वस्तुओं, अनाज, फल, सब्जियों, मांस-मछली आदि की खुदरा महंगाई दर बढ़ कर 8.70 फीसदी हो गई है। मार्च में यह 8.52 फीसदी थी। भारत सरकार ने रिजर्व बैंक को लक्ष्य दिया है कि मुद्रास्फीति 4 फीसदी रहनी चाहिए। उसमें अधिकतम 2 फीसदी की बढ़-घट हो सकती है। खुदरा मुद्रास्फीति सबसे कम है, लेकिन 4 फीसदी से अधिक है। अनाज की कीमतों में 8.63 फीसदी, फलों में 5.22 फीसदी, मांस-मछली में 8.17 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जबकि अंडे, दालों, सब्जियों और मसालों की कीमतें कुछ कम हुई हैं। ये आंकड़े राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के हैं, जो मुद्रास्फीति की सरकारी स्थितियों का खुलासा करते हैं। अलबत्ता खुले और बेलगाम बाजार की कीमतें कुछ और ही होंगी, लिहाजा मुद्रास्फीति उन्हीं के मुताबिक तय होगी। कुछ सर्वेक्षणों में 22 अर्थशास्त्रियों ने अप्रैल माह में खुदरा महंगाई के 4.87 फीसदी पर स्थिर रहने का अनुमान जताया था। उनका कहना था कि मार्च के बाद से खाद्य पदार्थों की कीमतों पर दबाव बढ़ रहा है, जो काफी हद तक मौसमी है।

क्रिसिल ने अपनी रपट में कहा है कि भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, जून तक तापमान सामान्य से ऊपर रहने की संभावनाएं हैं, जिसका असर सब्जियों के उत्पादन पर पड़ेगा। नतीजतन अगले कुछ माह तक सब्जियां महंगी रह सकती हैं। दिलचस्प है कि देश में लोकसभा चुनाव जारी हैं। औसतन हर सर्वेक्षण में बेरोजगारी के बाद महंगाई दूसरा सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा रहा है। मतदाता भी सडकों पर आंदोलित दिखाई दिए हैं। देश के औसत और कामगार तबके में, महंगाई के कारण, रोष भी दिखाई दिया है, लेकिन महंगाई चुनावी मुद्दा नहीं बन पाया है। हालांकि इस साल अच्छी बारिश होने की संभावनाएं और अपेक्षाएं हैं। मौसम विभाग ने दक्षिण-पश्चिम मानसून को 'सामान्य से ऊपर' आंका है। यदि ऐसा हुआ, तो कृषि-उत्पादन बेहतर होगा और कीमतें नियंत्रण में रह सकेंगी। गैर-खाद्य वर्ग में मुद्रास्फीति कपड़ा, जूते, घरेलू वस्तुओं, सेवाएं, मनोरंजन आदि वर्गों के मातहत रहती है। खाद्य मुद्रास्फीति से जुड़ी अनिश्चितताओं का एमपीसी पर भारी प्रभाव पड़ता है। खाद्य मुद्रास्फीति कई महीनों से 8 फीसदी से ऊपर चल रही है। एमपीसी की पिछली बैठक के बाद रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास की टिप्पणी थी-एमपीसी को हर दम चौकस और जागरूक रहना चाहिए, क्योंकि खाद्य कीमतों की अनिश्चितताएं चुनौती देती रहती हैं। बहरहाल विश्व के प्रमुख विकसित देशों के केंद्रीय बैंकों ने दरों में कटौती आरंभ करनी है। हालांकि कुछ घटनाएं इस संभावना की ओर संकेत करती हैं कि इन देशों की नीतियों में विचलन हो सकता है। अमरीकी फेडरल रिजर्व की मार्च में हुई बैठक में पाया गया कि मुद्रास्फीति के मोर्चे पर प्रगति का अभाव है।

मंडी सीट पर कांटे की रोचक टक्कर

यहां तक कि वह विक्रमादित्य की निजी जिंदगी को भी सार्वजनिक मंचों पर उछाल रही हैं। विक्रमादित्य भी मंजे खिलाड़ी की तरह बड़ी संयत भाषा में प्रचार कर रहे हैं'...

कांग्रेस प्रत्याशी विक्रमादित्य सिंह ने मंडी में नामांकन परचा भर दिया है। इस अवसर पर जमा हुई भीड़ ने कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में न केवल जोश भर दिया, बल्कि भाजपा को भी ऐसा ही प्रदर्शन करने के लिए चनौती दी है। इस सीट पर मुख्य मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच ही रहेगा और तीसरे अभिकल्प या शक्ति की कोई गुंजाइश नहीं है। भाजपा की ओर से सिने अभिनेत्री कंगना रनौत और कांग्रेस के युवा आइकॉन और शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह के बीच सीधी कांटे की टक्कर है और मुकाबला रोचक होने जा रहा है। कांटे की टक्कर इसलिए है कि कांग्रेस ने बहुत सोच-विचार के उपरांत प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह को पीछे करते हुए उनके बेटे विक्रमादित्य को चुनावी मैदान में उतार दिया। जाहिर है प्रतिभा सिंह और कंगना के बीच उम्र और राजनीतिक हैसियत के हिसाब से दिन-रात का अंतर था, लेकिन विक्रमादित्य सिंह की घोषणा से भाजपा भी अब डिफेन्स की मुद्रा में आ गई है। भाजपा मंडी के चुनावी रण को और भी गंभीरता से ले रही है। अब दोनों युवा प्रत्याशी मुकाबले को बराबरी का समझ रहे हैं। इस सीट पर चुनाव रोचक इसलिए भी कि जहां कंगना हो, वहां विवाद कैसे पीछे रह सकते हैं? चुनाव प्रचार में मतदाता और क्षेत्र की समस्याओं, मुद्दों से इतर एक-दूसरे पर छींटाकशी, कभी-कभी निजी जीवन को लेकर कुत्सित आरोप लोकतंत्र की गरिमा को आए दिन आहत कर रहे हैं।

कंगना की पार्टी के वर्कर इस बात को लेकर परेशां हैं कि न जाने अगले पल वह क्या बोल जाएंगी? इधर विक्रमादित्य इन गैर जरूरी पचड़ों में न फंसते हुए गंभीरता के साथ चुनाव की धार पैना रखे हुए हैं। चुनावी अभियान को जनता के मुद्दों से जोड़ कर गरिमा से चलाने का करिश्मा उन्होंने प्रारम्भिक दौर में ही दिखा दिया है। जाहिर है मतदाता उन्हें गंभीर उम्मीदवार मानने लगे हैं। कंगना को वैयक्तिक और गैर जरूरी बयानों से बचते हुए अपनी ही पार्टी और पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर की इज्जत का भी ध्यान रखना होगा। कंगना ने प्रत्याशी बनते ही ऐलान कर दिया था कि राजा भैया तो बाहर के हैं! उनका तो घर भी मंडी में नहीं है। बाद में उन्हें ज्ञात हुआ होगा कि रामपुर में विक्रमादित्य का घर है और वह भी मंडी संसदीय क्षेत्र में पड़ता है। ऐसी और भी बातें हैं जो भाजपा नेत्री/अभिनेत्री के सामान्य ज्ञान की ओर इशारा करती हैं। यह उदाहरण उनकी राजनीतिक समझ और हैसियत को बेनकाब करता है। यह ध्यान रखना होगा कि राजनीतिक मंच मनोरंजन नहीं, अपितु जनता के कल्याण और समस्याओं के संबोधन का मंच होता है। यह भी चर्चा गर्म है कि कंगना की जन्मभूमि तो मंडी है, परन्तु कर्मभूमि मुम्बई है। मतदाताओं में यह शंका घर कर गई है कि कहीं ऐसा तो नहीं कि चुनाव जीतने के बाद कंगना मैडम अभिनेता सन्नी देओल की तरह संसदीय क्षेत्र से ओझल न हो जाए? काम पडऩे पर जब लोग उनके पास जाते

तो यह जवाब मिलता था कि कोंस्टीचुएंसी में अमुक आदमी के पास जाओ, वह मेरा रिप्रेजेन्टेटिव है। इस बात पर कंगना रनौत अपने लोगों को संतोषजनक जवाब नहीं दे पाई हैं।

विक्रमादित्य की जन्मभूमि और कर्मभूमि दोनों हिमाचल है। वह पूर्णकालिक रूप से राजनीतिज्ञ हैं। जनता में सहज उपलब्ध हैं। विक्रमादित्य राजनीति को समाज सेवा के लिए माध्यम मानते हुए युवा कांग्रेस के निर्वाचित अध्यक्ष बने। दो बार वह विधायक होने के साथ वर्तमान में शहरी विकास मंत्रालय के केबिनेट मंत्री हैं। इस तरह विक्रमादित्य राजनीतिक बोध के हिसाब से कंगना से इक्कीस ही बैठते हैं। कंगना अभी राजनीति का ककहरा सीख रही हैं। अलबत्ता वह संसदीय क्षेत्र में अपनी परिचय यात्रा के दौरान इलाके विशेष की पोषाक, वेशभूषा धारण करके सेल्फी जरूर ले रही हैं, ताकि वहां के लोगों के साथ कनेक्ट कर सकें।

भाजपा के विषय में यह जगजाहिर है कि वह साधारण सक्रिय कार्यकर्ता को भी बड़े अवसर प्रदान करती है और सीएम, मंत्री, प्रधानमंत्री बनाती है। इन चुनावों में संसदीय क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ता लोकसभा टिकट के तलबगार थे, लेकिन टिकटों के चाहवान और उनके समर्थक ऊपर से थोपी गई कंगना को टिकट दिए जाने से अंदरूनी खाते संतुष्ट नहीं हैं और पर्यवेक्षकों का कहना है कि इधर का वोट उधर जाने से भी भाजपा को नुक्सान उठाना पड़ सकता है। नाराज चल रहे इन असंतुष्टों को साधना और साथ लेकर चलना पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के लिए बड़ी चुनौती है। इसलिए मंडी सीट साधने के लिए वह कंगना के सारथी बनकर उनका चुनावी रथ हांक रहे हैं।

अभी यह दूर की बात नहीं है। 2021 के मंडी लोकसभा उपचुनाव में प्रतिभा सिंह ने मोदी लहर के बावजूद और जयराम ठाकुर की कथित डबल इंजन की सरकार के रहते जीत दर्ज की थी। यह सीट जीत कर प्रतिभा सिंह ने कांग्रेस में संजीवनी फूंक दी थी। प्रधानमंत्री के 'इस बार 400 पार' के तिलिस्म को तोडऩे का बड़ा काम या बड़ी जिम्मेदारी विक्रमादित्य के कन्धों पर है। विक्रमादित्य जानते हैं कि मंडी सीट को उनके यशस्वी पिता वीरभद्र सिंह ने और माता प्रतिभा सिंह ने बड़े यत्न से सींचा है और सेवा भाव से मंडी की जनता का प्रतिनिधित्व किया है। इस विरासत को आगे बढ़ाने का अवसर विक्रमादित्य अब खोना नहीं चाहेंगे। यही कारण है कि वह बड़ी संजीदगी के साथ आगे बढ़ते नजर आते हैं। चुनाव प्रचार के हर दिन के साथ-साथ कंगना रनौत भी अब अपनी पार्टी की चिर-परिचित लाइन पर आगे बढ़ती दिख रही हैं। वह बड़ी आसानी व सहजता के साथ विक्रमादित्य पर रजवाड़ाशाही, परिवारवाद, वंशवाद आदि शब्दावली की बौछार कर देती हैं। यहां तक कि वह विक्रमादित्य की निजी जिंदगी को भी सार्वजनिक मंचों पर उछाल रही हैं। विक्रमादित्य भी मंजे खिलाड़ी की तरह बड़ी संयत भाषा में सभ्याचार के साथ कंगना को मतदाताओं के असली मुद्दों की बिसात में चुनावी रण में घेर रहे हैं। भाजपा इन चुनावों में एक बार फिर राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा, सनातन धर्म, हिंदुत्व, राष्ट्रीय सुरक्षा, कश्मीर, पाकिस्तान, मुसलमान, आरक्षण आदि मुद्दों को भी हिमाचल में खूब उठाने का प्लान कर रही है। उधर कांग्रेस प्रत्याशी विक्रमादित्य पूर्व भाजपा सांसदों को संसद में प्रदेश के हितों को न उठा पाने पर खूब घेर रहे हैं। बहरहाल लोकसभा की इस सीट पर कांटे की रोचक टक्कर होगी, हार-जीत का अंतर कम होगा।

पोलिंग की पूर्व संध्या पर'

हे मेरे कर्मठ कार्यकर्ताओ! आखिर वह चुनाव की आखिरी रात आ ही पहुंची जिसका हमें बड़े दिनों से बड़ी बेकरारी से इंतजार था। हर जुझारू नेता चुनाव की इस रात का बेसब्री से इंतजार करता है। यह रात कयामत की रात से भी अधिक कयामत की रात होती है। कयामत की रात में जैसे मुर्दे जाग उठते हैं उसी तरह चुनाव की इस आखिरी रात में मेहनती नेता के सोए भाग जाग उठते हैं। यह रात धुआंधार प्रचार की रात होती है। यह रात वोटर का दिमाग सन्न करने की रात होती है। इस रात जो अपने विरोधी नेता के प्रचार पर जितना भारी पड़ गया, समझो वह पांच साल के लिए सत्ता की कुर्सी पर नंग धड़ंग चढ़ गया। हे मेरे सिर पांव फोड़ तोड़ कार्यकर्ताओ! चुनाव की इस रात मरे वोटर भी जाग उठते हैं। वे भी सौ सौ मुंह खोले खाने को मांगते हैं। वे भी सौ सौ मुंह खोले पीने को मांगते हैं। इस रात उन्हें इतना खिलाओ कि'। इस रात उन्हें इतना पिलाओ कि ईवीएम में हमारे चुनाव निशान के सामने वाले बटन को दबाने तक उनका नशा न उतरे। उनके दिमाग के आगे पीछे, ऊपर नीचे बस, तुम्हारे भैयाजी का ही चुनाव चिन्ह नाचता रहे। उसके बाद उनका नशा उतरे तो उतरता रहे। फिर हर नशे पर पहला हक मेरे वर्करों का है और दूसरा मेरा। हे मेरे लोकप्रिय वर्करो! भले ही चुनाव आयोग के अनुसार चुनाव प्रचार थमा माना जाए तो थमा माना जाए, पर असली चुनाव प्रचार इसी रात होगा। यह रात चुनाव प्रचार में सारी हदें पार करने की रात है।

माना, कागजों में चुनाव प्रचार थम गया है। कागजों का क्या! कागजों में तो बहुत कुछ थम गया है। पर असली चुनाव प्रचार तो इसी रात होगा। अतः चुनाव प्रचार को थमा कतई न माना जाए। बस, एक रात और! हे मेरे चुनाव बांकुरो! इस रात जितनी मेहनत करोगे, पांच साल उतना ही फल मिलेगा। अन्य चुनावों की तरह यह चुनाव भी ईमानदार चुनाव का पर्व नहीं, ईमानदार चुनाव के नाम पर घमासान का पर्व है। याद रहे! चुनाव की यह रात कुरुक्षेत्र की आखिरी रात से भी अधिक संवेदनशील रात है। चुनाव की इस रात में ही किसी भी नेता की हार-जीत का निर्धारण होता है। इस रात जो जनता की जितनी सेवा करता है वह उतने ही मतों से अपने विरोधी से आगे ही नहीं बहुत आगे बढ़ता है। इसलिए मेरा आदेश है कि चुपचाप अपने अपने वोटरों के क्षेत्र में दबे पांव डट जाओ। कोई शोर नहीं, कोई हल्ला नहीं। बस, साइलेंट प्रचार! वोटर के मनमाफिक उसके वोट पर वार। आज की रात वोटर जो भी मांगे उसे दिल खोलकर दो। वह एक मांगे उसे दस दो। हे मेरे अनुपम कार्यकर्ताओ! तुम्हारी हिम्मत किसी के छिपी नहीं है। चुनाव के हर मोर्चे पर तुम सिकंदर हुए हो। तुम मेरे बहुमत के लिए किसी भी नेता को उठा कर ला सकते हो। तुम मुझे वोट दिलाने के लिए किसी को भी बहला फुसला सकते हो। तुमने आज तक मेरी जीत के लिए हर पार्टी के उम्मीदवार को छठी का दूध पिलाया है। तुमने मेरी जीत के लिए मेरे विरोधी को हर तरह से, हर तरह से डराया धमकाया है। याद रहे! सब पर भरोसा करना, पर मतदाता पर कतई न करना। आज का मतदाता बहुत चालाक हो गया है।

इस मुगालते में कतई मत रहना कि जो उसने तुमसे उपहार स्वीकार कर लिए तो वह तुम्हारा हो गया। वह चुनाव के दिनों में सबसे उपहार लेता है। उपहार ले सबको अपना मत देने का वचन देता है। पर सच यह है कि वह किसी का होते हुए भी किसी का नहीं होता। या कि दूसरे शब्दों में वह सबका होता है। इस रात उसके नाक में उपहारों की नकेल डाल उसे हर हाल में अपना करना है। चलो! सांझ ढलते ही अपने हर वोटर के हर दरवाजे पर तैनात हो जाओ। मेरे विरोधी के कार्यकर्ता उनके दरवाजे से घुसना तो दूर, उनके दरवाजे का छू भी न पाएं। यह लोकतंत्र की इज्जत का प्रश्न है। हमें अपने प्राणों का बलिदान देकर भी लोकतंत्र को हर हाल में जिंदा रखना है। लोकतंत्र को जिंदा रखने का अधिकार केवल हमारा है। हम हैं तो सच्चा लोकतंत्र है। हे मेरे कार्यकर्ताओ! यह रात

तुम्हारे आमरण जागरण की रात है। इसलिए पांच साल सोने के लिए सारी रात जागते रहो। हर वोटर के घर उसका मनमाफिक माल लेकर भागते रहो। उसे वोट डालने तक अपने कब्जे में रखो। यही सच्चा लोकतंत्र है। कहने वाले जो कहते हों कहते रहें, लोकतंत्र में चुनाव जीतने का यही माइक्रो मंत्र है। जय लोकतंत्र! जय चुनाव! अब मिलते हैं अपनी जीत के जश्न में!

क्या शादी का भी होता है बीमा? दूर कीजिए इससे जुड़ा हर कन्फ्यूजन

भारत में शादी एक त्योहार के रूप में मनाया जाता है। हर कोई चाहता है कि उसकी शादी बिल्कुल बॉलीवुड मूवी की तरह हो इसके लिए वह पैसे भी खर्च करते हैं। लेकिन कई बार शादी में कोई दुर्घटना हो जाए तो उसमें हुए वित्तीय नुकसान से बचने के लिए वेडिंग इंश्योरेंस (Wedding Insurance) काफी अच्छा ऑप्शन है। आइए हम आपको इसके बारे में विस्तार से बताते हैं।

नई दिल्ली। हर कोई चाहता है कि उसकी शादी बॉलीवुड फिल्मों जैसे बैंड बाजा बारात, शानदार, वीरे दी वेडिंग जैसी हो। इसके लिए आजकल लोग इवेंट प्लानर अपॉइंट करते हैं।

शादी में खाना-पीना, गिफ्ट, डेकोरेशन से लेकर हर फंक्शन टॉप क्लास हो इसके लिए भी बहुत खर्च किया जाता है। इन खर्चों से अनुमान लगाया जा सकता है कि भारत में शादी को भव्य बनाने के लिए बहुत पैसे खर्च होते हैं।

शादी को शानदार बनाने के लिए हम भले ही ज्यादा पैसे खर्च करते हैं पर हम चिंतित होते हैं कि शादी के सभी फंक्शन सही तरह से हो जाए। कई बार शादी में आग या फिर कोई दूसरा एक्सीडेंट हो जाता है।

इन दुर्घटनाओं से जहां एक तरफ शादी का सारा मजा फीका हो जाता है वहीं दूसरी तरफ इससे वित्तीय नुकसान भी होता है। हम इन दुर्घटनाओं से बचने के लिए सावधान हो सकते हैं पर वित्तीय नुकसान के लिए क्या करें?

आज हमारे पास शादी के दिन को यादगार बनाने के लिए वेडिंग इंश्योरेंस (Wedding Insurance) जैसा ऑप्शन मौजूद है। जी हां, आप अपनी शादी का भी इंश्योरेंस करवा सकते हैं। आज हम आपको बताते हैं कि वेडिंग इंश्योरेंस क्या होता है।

क्या होता है वेडिंग इंश्योरेंस (What is Wedding Insurance)

वेडिंग इंश्योरेंस एक तरह का एक्सीडेंट इंश्योरेंस (Accident insurance) होता है। इसमें आप शादी के दिन से जुड़े वित्तीय नुकसान को कवर कर सकते हैं। यह एक तरह से आपके शादी के दिन को फाइनेंशियल सिक्योरिटी देता है। इसमें आप अपनी शादी के कैंसिल होने पर नुकसान या फिर कोई अतिरिक्त खर्चों की भरपाई कर सकते हैं।

वेडिंग इंश्योरेंस क्या-क्या होता है कवर

अगर किसी वजह से आपकी शादी कैंसिल हो जाती है या फिर पोसपोंड हो जाती है (जैसे- प्राकृतिक आपदा, बीमारी, परिवार में किसी की मृत्यु के कारण) तो उसे भी इस बीमा में कवर किया जाता है।

शादी में कई बार केटर्स या फिर टेंट हाउस विक्रेता आखिरी मौके पर मना कर देते हैं और दूसरा विक्रेता ज्यादा पैसे की मांग करते हैं। इस इंश्योरेंस में इसे भी कवर किया जाता है।

आपने जो बैंकेट हॉल बुक किया था वह किसी वजह से बंद हो गया और आपने पहले ही पेमेंट किया था। अब दूसरे बैंकेट हॉल को बुक करने में एक्स्ट्रा चार्ज लग रहे हैं। इस तरह की स्थिति को भी इस इंश्योरेंस में कवर होती है।

अगर शादी के फंक्शन में दूल्हा, दुल्हन या परिवार का कोई मेंबर बीमार या घायल हो जाए तो वेडिंग इंश्योरेंस में यह सब कवर होता है। इंश

कितनी तरह का होता है वेडिंग इंश्योरेंस

भारत में वेडिंग इंश्योरेंस का मार्केट धीरे-धीरे विकसित हो रहा है। वर्तमान में केवल कुछ कंपनियां ही वेडिंग इंश्योरेंस देती है। वेडिंग इंश्योरेंस कई तरह के होते हैं।

कैंसिलेशन या स्थगन बीमाः इसमें शादी कैंसिल या फिर पोसपांड होने जैसे स्थिति को कवर किया जाता है।

लायबिलिटी इंश्योरेंसः अगर शादी के फंक्शन में किसी को कोई चोट या संपत्ति के क्षति होने से बचाता है।

विक्रेता विफलता बीमाः अगर कोई विक्रेता सुविधा देने से मना कर देता है तो उससे होने वाले नुकसान को कवर किया जाता है।

ज्वेलरी इंश्योरेंसः शादी में कोई ज्वेलरी को नुकसान या फिर खो जाती है तो उससे होने वाले क्षति से बचाता है।

फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी इंश्योरेंसः अगर फोटोग्राफर या वीडियोग्राफर सर्विस देने से मना कर दें तो उससे होने वाले नुकसान को कवर किया जाता है।

इंश्योरेंस पर कैसे पड़ेगा इसका प्रभाव

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने हाल ही में शादी को लेकर आंकड़े जारी किये थे। इन आंकड़ों के अनुसार आने वाले कुछ महीनों में 35 लाख से ज्यादा शादियां होगी। ऐसे में हम अंदाजा लगा सकते हैं कि अगर हर शादी के लिए वेडिंग इंश्योरेंस करवाया जाए तो इससे इंश्योरेंस सेक्टर में कितनी तेजी आएगी।

दुनिया के हर देश में शादी काफी शानदार तरीके से मनाई जाती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ग्लोबल वेडिंग सर्विसेज मार्केट वर्ष 2020 में 160.5 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया था। इसी तरह अगर वेडिंग मार्केट में तेजी रही तो वर्ष 2030 में यह तक 414.2 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है।

IPL में करोड़ों रुपये खर्च कर खरीदे जाते हैं खिलाड़ी, जानिए खरीदने वाली टीम कैसे करती है कमाई

देश के साथ दुनिया में आईपीएल का क्रेज काफी ज्यादा है। हर साल क्रिकेट लवर्स इस टूर्नामेंट का इंतजार करते हैं। इस टूर्नामेंट में मैच के साथ लोगों का ध्यान प्लेअर्स के ऑक्शन पर भी होता है। आपने कभी सोचा है कि आखिर खिलाड़ियों को खरीदने वाली टीमों की कमाई कैसे होती है। आइए इसके बारे में जानते हैं।

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) का क्रेज केवल भारत में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में है। क्रिकेट लवर्स हर साल इस लीग का इंतजार करते हैं। इस लीग में 10 टीम एक-दूसरे के साथ मैच खेलते हैं।

इस टूर्नामेंट की आम जनता को फैन है ही इसके साथ फिल्मी सितारों को भी यह टूर्नामेंट बहुत पसंद है। अक्सर मैच के मैदान पर फिल्मी सितारे देखने को मिलते हैं। आईपीएल के फैंस को मैच के साथ प्लेअर्स का ऑक्शन भी पसंद है। जी हां, इस टूर्नामेंट के शुरू होने से पहले खिलाड़ियों की नीलामी होती है। टीम खरीदने के साथ खिलाड़ी खरीदने के लिए भी बड़े बिजनेसमैन और एक्टर-एक्ट्रेस करोड़ों रुपये खर्च करती है।

अगर आप ये सोच रहे हैं कि बिजनेसमैन और फिल्मी सितारें क्रिकेट को पसंद करते हैं इसलिए इतने रुपये खर्च कर रहे हैं तो आप गलत है। भले ही उन्हें क्रिकेट पसंद है पर यह उनके कमाई का भी अच्छा सोर्स है। आज हम आपको बताएंगे कि आखिर कैसे आईपीएल के जरिये टीम्स पैसे कमाती हैं।

कैसे कमाती हैं टीमें (How IPL Teams Earn Money)

मीडिया राइट्स

आईपीएल की टीमों की कमाई का सबसे बड़ा सोर्स मीडिया राइट्स है। इस साल आईपीएल 2024 (IPL 2024) का टेलीकास्ट का राइट्स स्टार स्पोर्ट्स (Star Sports) कर रहा है। वहीं मोबाइल में आप जियो सिनेमा (Jio Cinema) पर इस टूर्नामेंट को देख सकते हैं।

टेलीकास्ट राइट्स के लिए आईपीएल इन कंपनियों के साथ डील करती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार आईपीएल के मीडिया राइट्स पाने के लिए कंपनी एक मैच का लगभग 100 करोड़ रुपये देती है।

वैसे तो इस पूरी राशि का कुछ हिस्सा बीसीसीआई (BCCI) के पास जाता है और बाकी बची राशि सभी टीमों में बंट जाती है। इसके अलावा इस लीग में जो टीम जितती है उसे सीजन के अंत में ज्यादा राशि भी मिलती है। वहीं, जिस टीम ने कम मैच जीता है या कम मैच खेला है उसे कम राशि मिलती है।

टिकटों की बिक्री

मैच में आपने देखा होगा कि पूरा स्टेडियम खचाखच भरा होता है। आईपीएल को लाइव देखने के लिए पहले से ही टिकट बुकिंग शुरू हो जाती है। आईरपीएल टिकट की बुकिंग के लिए कई कंपनी उसकी फ्रेंचाइजी भी लेते हैं। अगर आप इस साल स्टेडियम जाकर मैच देखना चाहते हैं तो आप Bookmyshow, Paytm Insider से बुकिंग कर सकते हैं।

यह सभी कंपनी टिकट बुकिंग के लिए फ्रेंचाइजी लेती है। इसके जरिये भी टीम पैसे कमाते हैं। आपको बता दें कि अगर एक मैच में टिकट की बिक्री का 80 फीसदी हिस्सा टीम को मिलता है। इसके अलावा कई फ्रेंचाइजी कंपनी का अपना होम ग्राउंड भी होता है।

किट से भी होती है कमाई

अगर आप प्लेअर्स के किट को देखें तो आप उस पर कई कंपनी के लोगो देख पाएंगे। यह लोगो एक तरह का विज्ञापन होता है। हर टीम की जर्सी, हेलमेट, अंपायर की जर्सी, विकेट, बाउंड्री लाइन जो लोगो दिखाई देते हैं वह एक तरह का विज्ञापन है।

कंपनियां इन विज्ञापनों के लिए टीमों को पैसा देती है। इसके अलावा अगर आप टीवी पर खिलाड़ियों द्वारा कोई ब्रांड प्रमोशन देख रहे हैं तो यह भी विज्ञापन है। इन विज्ञापनों के लिए कंपनी फ्रेंचाइजी को पैसा देती है।

जिस खिलाड़ी के किट पर जितना एड होता उतना टीम को कमाई होती है। हालांकि यह कमाई इस बात पर भी निर्भर करता है कि टीम कितनी पॉपुलर है।

मर्चेंडाइज

फ्रेंचाइजी के अलावा मर्चेंडाइज के जरिये भी आईपीएल टीम पैसा कमाती है। आईपीएल की टीम अपनी पॉपुलेरिटी के लिए लोगो वाले टीशर्ट, ग्लब्स, हेलमेट, झंडे, पेन आदि बेचती है। टीम यह सब सामान अपने अधिकारिक वेबसाइट पर बेचती है।

इन वेबसाइट पर आईपीएल के फैंस प्रोडक्ट खरीदते हैं जिससे टीम की कमाई होती है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस को कुछ उड़ानें करनी पड़ीं रद्द, जानिए क्या रही वजह

परिवहन विशेष न्यूज

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने बुधवार को कुछ उड़ानें रद्द कर दीं क्योंकि एयरलाइन क्रू रोस्टरिंग प्रणाली की समस्या से जूझ रही है। केबिन क्रू के एक वर्ग के बीमार होने की सूचना के कारण एयरलाइन में व्यवधान देखने के एक सप्ताह बाद आया है। 9 मई को हड़ताल खत्म कर दी गई और हड़ताल पर गए चालक दल के सदस्य 11 मई तक वापस ड्यूटी पर लौट आए हैं।

नई दिल्ली। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने बुधवार को कुछ उड़ानें रद्द कर दीं, क्योंकि एयरलाइन क्रू रोस्टरिंग प्रणाली की समस्या से जूझ रही है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली ये एविएशन कंपनी आम तौर पर प्रतिदिन लगभग 380 उड़ानें संचालित करती है।

वजह क्या थी?

सूत्रों ने कहा, चूंकि सिस्टम में कुछ समस्याएं हैं, इसलिए इसका असर केबिन क्रू और पायलटों के शेड्यूल पर पड़ रहा है। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली हवाईअड्डे पर सुबह 1.50 बजे से रात 8 बजे के बीच की अवधि के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस की सात उड़ानें - चार प्रस्थान और तीन आगमन - बुधवार को रद्द कर दी गई हैं।

साथ ही सूत्रों ने बताया कि कुछ अन्य हवाईअड्डों पर भी उड़ानें रद्द की गईं। हालांकि, उड़ान रद्द होने की कुल संख्या का तुरंत पता नहीं लगाया जा सका है। हालांकि, एयर इंडिया एक्सप्रेस की ओर से कोई टिप्पणी नहीं आई।

हाल ही में खत्म हुई है हड़ताल

नवीनतम घटनाक्रम एयरलाइन में कथित कुप्रबंधन के विरोध में केबिन क्रू के एक वर्ग के बीमार होने की सूचना के कारण एयरलाइन में व्यवधान देखने के एक सप्ताह बाद आया है। 9 मई को हड़ताल खत्म कर दी गई और हड़ताल पर गए चालक दल के सदस्य 11 मई तक वापस ड्यूटी पर लौट आए। मामले से जुड़े एक अधिकारी ने मंगलवार को कहा था कि एयरलाइन ने लगभग 345 उड़ानें संचालित कीं और कोई भी उड़ान रद्द नहीं की गई।

8 मई को हड़ताल वापस ले ली गई और राष्ट्रीय राजधानी में मुख्य श्रम आयुक्त द्वारा बुलाई गई एक सुलह बैठक के बाद वाहक ने 25 केबिन क्रू को जारी किए गए समाप्ति पत्र भी वापस ले लिए। बैठक में एयरलाइन और एयर इंडिया एक्सप्रेस कर्मचारी संघ (AIXEU) के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था।

KYC अनुपालन गाइडलाइन को आसान बनाएगी SEBI, निवेशकों के डिजिटल पहचान का होगा वेरिफिकेशन

परिवहन विशेष न्यूज

सेबी ने केवाईसी रजिस्ट्रेशन एजेंसियों (KRA) के माध्यम से अपने नो योर कस्टमर्स (केवाईसी) रिकॉर्ड को मान्य करने के लिए जोखिम प्रबंधन ढांचे को सरल बनाने का फैसला किया है। इसके साथ ही निवेश के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म अपनाने वाले निवेशकों की बढ़ती संख्या के साथ डिजिटल पहचान का सत्यापन तेजी से महत्वपूर्ण हो गया है। आइये इसके बारे में जानते हैं।

नई दिल्ली। विशेषज्ञों ने बुधवार को कहा कि बाजार नियामक सेबी ने केवाईसी रजिस्ट्रेशन एजेंसियों (KRA) के माध्यम से अपने नो योर कस्टमर्स (केवाईसी) रिकॉर्ड को मान्य करने के लिए जोखिम प्रबंधन ढांचे को सरल बनाने का फैसला किया है।

अंकित रतन, सह-संस्थापक और सीईओ, सिग्जी ने कहा कि यह एक ऐसा कदम है, जो निवेशकों के लिए लेनदेन में आसानी सुनिश्चित करेगा। नए ढांचे के तहत, केआरए अब आधिकारिक डेटाबेस से पैन, नाम, पता, ईमेल और मोबाइल नंबर सत्यापित कर सकते हैं। यदि ये विवरण सही पाए जाते हैं, तो उन्हें मान्य रिकॉर्ड माना जाएगा।

डिजिटल पहचान का सत्यापन जरूरी

उन्होंने कहा कि नए ढांचे से कई निवेशकों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान होने की उम्मीद है, साथ ही निवेशकों की डिजिटल पहचान का सत्यापन भी सुनिश्चित होगा। निवेश के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म अपनाने वाले निवेशकों की बढ़ती संख्या के साथ, डिजिटल पहचान का सत्यापन तेजी से महत्वपूर्ण हो गया है।

एक्सचेंजों, डिपॉजिटरी और संबंधित मध्यस्थों को मई के अंत तक अपने सिस्टम में आवश्यक तकनीकी परिवर्तन लागू करने का काम सौंपा गया है।

म्यूचुअल फंड हाउस, ब्रोकिंग फर्म और पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवा प्रदाताओं को निवेशक डेटा प्राइवेसी और सिक्योरिटी की सुरक्षा के लिए मजबूत अनुपालन उपकरण और जोखिम प्रबंधन ढांचे को लागू करने की आवश्यकता होगी। इससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि पहचान सत्यापन के बाद सभी निवेशक शामिल हो जाएं।

KRA में शामिल हैं ये संस्थाएं

KRA में CAMS KRA, BSE KRA, NSE KRA जैसी संस्थाएं शामिल हैं। ये एजेंसियां व्यक्तियों के केवाईसी विवरण को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार हैं, आमतौर पर दलालों, एक्सचेंजों और मध्यस्थों से जानकारी एकत्र करती हैं।

मंगलवार को सेबी ने प्रतिभूति बाजार में हितधारकों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर ग्राहकों द्वारा लेनदेन में आसानी के लिए जोखिम प्रबंधन ढांचे को सरल बनाया। नियामक ने गाइडलाइन को सरल बनाते हुए अक्टूबर 2023 में जारी सर्कुलर में संशोधन किया है.

पिछले साल अक्टूबर में, सत्यापन प्रक्रिया में एक अपडेट किया गया, जिससे राशन कार्ड, बिजली बिल या स्कैन किए गए आधार कार्ड जैसे पते के प्रमाण अमान्य हो गए।

वर्तमान में, आदेश के तहत केआरए को केवाईसी रिकॉर्ड प्राप्त होने के दो दिनों के भीतर ग्राहक रिकॉर्ड की कुछ विशेषताओं को सत्यापित करने की आवश्यकता होती है, जिसमें स्थायी खाता संख्या (पैन), नाम और पता शामिल है।

आनंद राठी वेल्थ के डिप्टी सीईओ फिरोज अजीज ने कहा कि मप्रतिभूति बाजार के आगे बढ़ते हुए, आधिकारिक डेटाबेस (पैन, आधार एक्सएमएल, डिजिलॉकर या एम-आधार पर आयकर विभाग डेटाबेस) के साथ केआरए द्वारा सत्यापित ग्राहक के रिकॉर्ड को 'मान्य रिकॉर्ड' माना जाएगा। अमान्य दस्तावेज वाले व्यक्तियों को व्यापार करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि सेबी की यह पहल प्रतिभूतियों में निवेशकों के हितों की रक्षा करने और प्रतिभूति बाजारों के विकास और विनियमन को बढ़ावा देने का काम करती है, जो उपभोक्ता संरक्षण में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सिग्नी रतन ने कहा कि सेबी के इस कदम से पूंजी बाजार में निवेशकों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और सुरक्षा बाजारों के विकास को बढ़ावा मिलेगा। यह डिजिटल विश्वास बढ़ाने और निवेशकों के लिए एक सुरक्षित डिजिटल वातावरण बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करता है।

एसबीआई ग्राहकों को मिला तोहफा, अब एफडी पर मिलेगा इतना ज्यादा ब्याज, बैंक ने बढ़ा दिया इंटरेस्ट रेट

परिवहन विशेष न्यूज

देश के सबसे बड़ा सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (SBI) ने ग्राहकों को तोहफा दिया। बैंक ने एफडी पर मिलने वाले ब्याज को बढ़ा (SBI FD Rate Hike) दिया है। बैंक ने 2 करोड़ रुपये से कम वाली एफडी पर 0.75 फीसदी की बढ़ोतरी की है।

नई दिल्ली। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) देश का सबसे बड़ा बैंक है। आज बैंक ने अपने ग्राहकों को तोहफा दिया है। एसबीआई ने एफडी की ब्याज दरों को अपडेट कर दिया है। बैंक ने बताया कि उन्होंने एफडी के ब्याज दरों में बढ़ोतरी (SBI FD Rate Hike) का फैसला लिया है।

जिन ग्राहकों ने एसबीआई बैंक में एफडी करवाई है उन्हें पहले की तुलना में ज्यादा ब्याज मिलेगा। बता दें कि आज से एफडी की नई दरें लागू हो गई हैं।

बैंक ने 2 करोड़ रुपये से कम वाली एफडी के इंटरेस्ट रेट में 0.75 फीसदी की बढ़ोतरी की है। इसी तरह बैंक ने बाकी टेन्योर वाले एफडी के ब्याज दर को अपडेट किया है। आइए जानते हैं कि एफडी के किस टेन्योर पर अब कितना ब्याज मिल रहा है?

एसबीआई के एफडी की नई ब्याज दरें

- 7 दिन से 45 दिन तक के टेन्योर वाली एफडी पर सामान्य लोगों को 3.5 फीसदी और सीनियर सिटिजन को 4 फीसदी का ब्याज मिलेगा।
- वहीं, 46 दिन से 179 दिन के एफडी पर आम नागरिकों को 4.75 फीसदी का और वरिष्ठ नागरिकों को 5.5 फीसदी का ब्याज मिलेगा।
- एसबीआई 180 दिन से 210 दिन वाले एफडी पर 6 फीसदी का ब्याज दे रहा है। इन टेन्योर के एफडी पर सीनियर सिटिजन को 6.25 फीसदी का ब्याज मिलेगा।
- स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के 211 दिन से लेकर 1 साल के एफडी पर आम नागरिक को 6.25 फीसदी और सीनियर सिटिजन को 6.75 फीसदी का ब्याज मिलेगा।
- वहीं 1 साल से लेकर 2 साल वाली एफडी पर 6.8 फीसदी का ब्याज मिलेगा। इस टेन्योर में सीनियर सिटिजन को 6.75 फीसदी का ब्याज मिलेगा।
- बैंक ने 2 साल से ज्यादा और 3 साल से कम वाले एफडी की ब्याज दर को 7 फीसदी कर दिया है।
- इसी तरह 3 साल से अधिक लेकिन 5 साल से कम वाली एफडी पर बैंक 6.75 फीसदी का ब्याज ऑफर कर रहा है।
- 5 साल से लेकर 10 साल वाली एफडी की नई दरें 6.5 प्रतिशत है।

भारत की बनी रहे सबसे बड़े लोकतंत्र की छवि...', जस्टिस सूर्यकांत ने बताया इन सिद्धांतों के प्रति सचेत है न्यायपालिका

परिवहन विशेष न्यूज

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि न्यायपालिका अपनी जिम्मेदारियों एवं अपने कर्तव्यों के प्रति सचेत है और पृथक्करण व कानून के शासन के सिद्धांतों को ध्यान में रखती है।इंडियन काउंसिल फॉर लीगल जस्टिस द्वारा आयोजित लोकतांत्रिक विकास में सतत न्यायशास्त्र पर सेमिनार में जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि यह न्यायपालिका एवं न्यायिक तंत्र ही है जो आमजन की चिंताओं से लगातार एवं व्यापक रूप से जुड़े रहते हैं।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश सूर्यकांत ने बुधवार को कहा कि न्यायपालिका अपनी जिम्मेदारियों एवं अपने कर्तव्यों के प्रति सचेत है और पृथक्करण व कानून के शासन के सिद्धांतों को ध्यान में रखती है। उन्होंने कहा कि उत्साही न्यायपालिका भारतीय लोकतांत्रिक प्रणाली की पहचान है जहां हम कानून के शासन व सुशासन में विश्वास करते हैं और यह सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य है कि यह प्रतिबद्धता दिन प्रतिदिन बनी रहे।

भारत में है न्यायिक सक्रियता- जस्टिस सूर्यकांत

इंडियन काउंसिल फॉर लीगल जस्टिस द्वारा आयोजित 'लोकतांत्रिक विकास में सतत न्यायशास्त्र' पर सेमिनार में जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि यह न्यायपालिका एवं न्यायिक तंत्र ही है जो आमजन की चिंताओं से लगातार एवं व्यापक रूप से जुड़े रहते हैं। उन्होंने कहा कि मैं भारत में विधायिका की भूमिका को भी कमतर या अनदेखा नहीं करना चाहता। भारत उन लोकतांत्रिक देशों में से एक है जहां न्यायिक सक्रियता के अलावा हमने विधायी तंत्र का भी सुखद अनुभव किया है।

जब हम न्यायपालिका की भूमिका के बारे में बात करते हैं तो हम शक्तियों के पृथक्करण और कानून के शासन के सिद्धांतों को भी ध्यान में रखते हैं। हम सभी वास्तव में मानते हैं कि

न्यायपालिका अपनी जिम्मेदारी एवं कर्तव्यों के प्रति सचेत है। ये बेहद आधारभूत सिद्धांत हैं जो न सिर्फ शक्ति के केंद्रीकरण को रोकते हैं, बल्कि लगातार यह सुनिश्चित करते हैं कि वैश्विक मंच पर भारत की छवि एक सफल एवं सबसे बड़े लोकतंत्र की बनी रहे।- जस्टिस सूर्यकांत

पिछले सात दशकों में देश ने किया है उल्लेखनीय विकास

उन्होंने कहा कि पिछले सात दशकों में देश ने सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं नैतिक क्षेत्र में उल्लेखनीय विकास किया है और लिखित कानून दिन प्रतिदिन के आधार पर इन सभी बदलावों को प्रतिबिंबित नहीं भी करते हैं। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि इसलिए सवाल नागरिकों के अधिकारों का उठता है। उनकी सुरक्षा कैसे की जाए और मूल्यों व लोकतांत्रिक अधिकारों को जीवंत कैसे रखा जाए? विधायी कानूनों को लगातार संशोधित, निर्मित या वापस नहीं लिया जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट पर क्या बोले शीर्ष अदालत के न्यायाधीश

उन्होंने कहा कि यहां आधुनिक दौर की चुनौतियों से निपटने में न्यायपालिका की भूमिका शुरू होती है। शीर्ष अदालत के न्यायाधीश ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की ओर देखिए, कैसे मौलिक अधिकारों को मानवाधिकारों में तब्दील कर दिया गया और मानवाधिकारों को मौलिक अधिकारों के रूप में देखा गया। नए तरह की इस व्याख्या ने वास्तव में मानवाधिकारों की गहरी अवधारणा को सामने रखा है जिसे मानवाधिकारों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न फैसलों में स्थान दिया गया है।

न्यायपालिका आपातकालीन अस्पताल के रूप में करती है काम

उन्होंने कहा कि संविधान के प्रविधानों के तहत नया कानून बनने में समय लगता है और ऐसी स्थिति में न्यायपालिका आपातकालीन अस्पताल के रूप में काम करती है और प्रतिदिन चौबीसों घंटे उपलब्ध रहती है। सेमिनार को दिल्ली हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन, पूर्व प्रधान न्यायाधीश केजी बालाकृष्णन और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश स्वतंत्र कुमार ने भी संबोधित किया।

'गुलाम जम्मू-कश्मीर में हो रही है हलचल', PoJK को लेकर विदेश मंत्री जयशंकर ने कही ये बड़ी बात

विदेश मंत्री ने कहा कि हमारी तरफ के लोग वास्तव में प्रगति कर रहे हैं। दूसरे पक्ष के लोगों को कब्जे में होने भेदभाव होने और बुरा व्यवहार होने का अहसास है। स्पष्ट रूप से ऐसी कोई भी तुलना उनके दिमाग में घर कर जाएगी। पीओजेके के भारत में विलय पर जयशंकर ने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर का वह हिस्सा हमेशा हमारा था और रहेगा।

नई दिल्ली। गुलाम जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में अशांति पर टिप्पणी करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को कहा कि उन्हें इस बात में कोई संदेह नहीं है कि वहां रहने वाले लोग अपनी स्थिति की तुलना जम्मू-कश्मीर के लोगों से करेंगे। जयशंकर ने कहा, गुलाम जम्मू-कश्मीर में हलचल हो रही है।

आप इसे इंटरनेट मीडिया या टेलीविजन पर देख सकते हैं। इसका विश्लेषण बहुत जटिल है, लेकिन निश्चित रूप से मेरे मन में कोई संदेह नहीं है कि पीओजेके में रहने वाले लोग अपनी स्थिति की तुलना जम्मू-कश्मीर के लोगों से कर रहे हैं।

विदेश मंत्री ने कहा कि हमारी तरफ के लोग वास्तव में प्रगति कर रहे हैं। दूसरे पक्ष के लोगों को कब्जे में होने, भेदभाव होने और बुरा व्यवहार होने का अहसास है। स्पष्ट रूप से ऐसी कोई भी तुलना उनके दिमाग में घर कर जाएगी। पीओजेके के भारत में विलय पर जयशंकर ने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर का वह हिस्सा हमेशा हमारा था और रहेगा।

यूकेपीएनपी ने शिकायतों को दोहराया

बिजली मूल्य के उचित निर्धारण और रियायती आटे की मांगें पूरा करने के लिए इस्लामाबाद द्वारा अनुदान की घोषणा के बाद गुलाम जम्मू-कश्मीर में हिंसक विरोध प्रदर्शन रुक गया है। हालांकि, ब्रिटेन स्थित-यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) ने क्षेत्र की लंबे समय से चली आ रही शिकायतों को दोहराया है। यूकेपीएनपी ने अन्याय, असमानता और प्राकृतिक संसाधनों की व्यवस्थित लूट को स्थायी मुद्दों के रूप में उद्धृत करते हुए मानवाधिकारों के दशकों से चले आ रहे उल्लंघन का जिक्र किया। पार्टी ने हिंसा भड़कने की निंदा की और इसके लिए अर्ध-सैनिक बलों की तैनाती को जिम्मेदार ठहराया, जो अपने अमानवीय कार्यों के लिए कुख्यात हैं।

अधिसूचना पर चिंता जताई

न्यूज एजेंसी एएनआइ के अनुसार, गुलाम जम्मू-कश्मीर के प्रमुख कार्यकर्ता अमजद अयूब मिर्जा ने पीओजेके सरकार द्वारा जारी एक हालिया अधिसूचना पर गंभीर ¨चता जताई है। 13 मई को जारी अधिसूचना का उद्देश्य बिजली दरों और टैक्स को कम करना था, लेकिन मिर्जा ने इसे अस्पष्ट और धोखाधड़ी वाला माना है।

ओड़िशा मे 5 कोरोड़ रुपया और 15 किलो गोल्ड जब्त हुआ

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड उडीशा

भुबनेस्वर् : ओडिशा में पहले चरण का चुनाव ख़त्म हो चुका है, लेकिन अगले तीन चरणों का चुनाव होना बाकी है । अफवाह है कि राज्य के विभिन्न हिस्सों से लाखों रुपये की बरामदगी से राज्य में पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से चुनाव कराने में बाधा उत्पन्न होगी।सोमवार को जहां राज्य के अलग-अलग हिस्सों में नेता की कार से लाखों रुपये जब्त किये गये, वहीं फॉर्च्यून डेवलपर की कार से 5 करोड़ रुपये जब्त किये गये । गौरतलब है कि सोमवार देर रात राजधानी भुवनेश्वर के सूर्यनगर एलआईसी कार्यालय के पास एक फॉर्च्यून कार खड़ी थी । आयकर विभाग ने कार में मिले पैसों की जांच की । ड्राइव के दौरान कार के अंदर तीन बड़े काले बैग मिले जिनमें 5 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम थी । बाद में कार में बैठे व्यक्ति से पैसों के बारे में पूछा। वे कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर आयकर विभाग ने पैसे और कार जब्त कर ली। पता चला है कि जब्त की गई कार जाजपुर के ए क्लास ठेकेदार निहार रंजन मांधात की है। सूत्र से सूचना प्राप्त हो की बिजेड़ी के एक बड़े नेता की रुपय थी ।

वेस्ट बेंगल से ओड़िशा आ रहा था एक ट्रांसपोर्ट ट्रक को GST जाँच की ओर 15 किलो गोल्ड जब्त हुआ ।

दिल्ली के 25000 गेस्ट टीचर्स की सेवाए समाप्त

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

बेरोजगारी का पाठ पढाने वाली दिल्ली की आम आदमी पार्टी की अरविंद केजरीवाल सरकार ने दिल्ली के सरकारी ,और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में पढाने वाले करीब 25000 गेस्ट टीचरों की एक झटके में सेवाए समाप्त कर उन्हें सडक पर ला दिया है। अब बेरोजगार हुए हजारों गेस्ट टीचरों की सुध लेने वाला कोई नहीं है। दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय ने गर्मी की छुट्टियां पडने से पहले ही हजारों गेस्ट टीचरों को बेरोजगार कर घरों में बिठा दिया है। इस बात को लेकर तमाम गेस्ट टीचर केजरीवाल से खासे खफा है। बेरोजगार हुए हजारो गेस्ट टीचरों का दर्द है कि उनकी नौकरी हर साल 10 मई तक चलती है, और इसके बाद जुलाई में फिर दोबारा से नौकरी की भाग दौड शुरू होती है। दिल्ली सरकार से खफा तमाम नौकरी से बेदखल कर दिए गैस्ट टीचरों के मुताबिक ये आदेश बेहद अन्यायपूर्ण है। दरअसल इस बार कॉनट्रैक्ट 1 जुलाई, 2023 से 30 जून ,2024 तक लागू था। लेकिन केजरीवाल सरकार ने कांट्रैक्ट की तय शर्त को तोडते हुए, जैसे ही 10 मई, 2024 से समर वेकेशन की छुट्टियां शुरू हुई तभी उसी दिन से 25000 गैस्ट टीचर्स को बेरोजगार कर बाहर का रास्ता दिखा दिया।इस बावत ऑल इंडिया गेस्ट टीचर एसोसिएशन के शौएब राणा ,नवीन का कहना है कि एकाएक यकदम 25000 गेस्ट टीचर्स की नौकरी छीन लेना कतई असंवेदनशील कृत्य है। उन्होंने दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय से इस आदेश को तुरंत वापिस लेने की गुहार लगाई है। वहीं बेरोजगार कर घरों में बिठा दिए गए गैस्ट टीचरों ने आप पार्टी समेत तमाम राजनीतिक पार्टियों को ताना देते हुए कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान सभी दलों को बेरोजगारी का मुद्दा भडका कर अहम बना दिया जाता है। जबकि वोट बटोरने के बाद चुप्पी साधने वाले कथित रहनुमाओ ने क्या कभी स्थाई प्रबंध करने की आवाज उठाई है। उन्होंने कहा कि कथित रहनुमाओ द्वारा युवाओ को कब तक बेरोजगारी का झुनझुना बजाना होगा? इसका स्थाई निदान करना अब आवश्यक है।

अपील - जुआ खेलने को प्रेरित करने वाले विज्ञापनों पर रोक लगनी चाहिए : डॉ उमेश शर्मा-चेयरमैन, उ.प्र. अपराध निरोधक समिति

फ़िल्मि अभिनेता और क्रिकेटर्स, युवाओं को विज्ञापनों के माध्यम से ज़हरीला ग़ुटखा खाने को और जुआ खेलने क़ो कर रहें हैं प्रेरित : वरिष्ठ समाजसेवी डॉ उमेश शर्मा

आगरा। सिर्फ़ चंद पैसे के लिए फ़िल्मि अभिनेता और युवाओं के रॉल मॉडल क्रिकेटर्स जनता से ज़हरीला ग़ुटखा खाने को और जुआ खेलने क़ो विज्ञापनों के माध्यम से प्रेरित कर रहें हैं। क्या ऐसा करना देशहित में सही हैं ?

इस सन्दर्भ में वरिष्ठ समाजसेवी व उ.प्र. अपराध निरोधक समिति के चेयरमैन डॉ उमेश शर्मा ने राष्ट्रहित में अपनी राय रखते हुए पत्रकार वार्ता में बताया कि यक़ीन नहीं होता कि सिर्फ़ चंद पैसे के लिए फ़िल्मि अभिनेता और युवाओं के रॉल मॉडल क्रिकेटर्स जनता से ज़हरीला ग़ुटखा खाने को और जुआ खेलने क़ो विज्ञापनों के माध्यम से प्रेरित कर रहें हैं। क्या ऐसा करना देशहित में सही हैं ? लेकिन एक बात आप ध्यान से समझ लीजिए कि इन्होने तो

मोटा पैसा कमा लिया हैं। अगर आप को इन सब जीवन बर्बाद करने वाली चीजों की लत गयी ना, तो आप ना घर के रहेंगे ना घाट के, अगर इनके विज्ञापनों के बहकाबे में आप आगये ना तो इस देश में आज के बाद कोई भी बड़ा क्रिकेटर नहीं बन पायेगा।

डॉ. शर्मा ने कहा कि आज हम एक ऐसे समय से गुजर रहे हैं, जहां युवाओं के रोल मॉडल ही उन्हें गुटखा खाने को इंस्पायर कर रहे हैं या जुआ खेलने को श्रेष्ठ बता रहे हैं,इन लोगों की मानसिकता का आलम ये है कि खुद तो दूध में चीनी तक डालकर नहीं पीते लेकिन देश के भविष्य को निठल्ला बनाने के प्रयास के साथ - साथ, चंद पैसे के लालच के लिए देश का युवा को बर्बाद कर रहे हैं।इन लालची और सामाजिक पाखंड के विशेषज्ञ लोगों को समाज, पारिवारिक संस्कार व देश की संस्कृति से कोई मतलब नहीं हैं। यह लालची लोग हमारी आने वाली पीढ़ी को बर्बाद कर रहे हैं। समाज के लिए इनके द्वारा किया गया यह कृत्य बहुत ही गलत है। इसलिए हमारी सभी से विनम्र अपील हैं कि जुआ खेलने को और गुटखा खाने को इंस्पायर करने वाले सभी विज्ञापनों पर रोक लगनी चाहिए और इस मामले में हर परिवारीजन से आग्रह अपील है कि इस विसंगति के कार्यों पर नजर रखें और परिवार व युवा पीढ़ी को बचायें।

चुनाव आचार संहिता समय से 13लाख रुपये लेके जाने के टाइम पर पकड़ गयी बिजेड़ी नेत्री

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड उडीशा

भुबनेश्वर : बिजेड़ी के एक नेता को चुनाब आचार संहिता के खुले उल्लंघन में बहुत सारे पैसे के साथ पकड़ा गया है। बीजेपी पार्टी नेता ने के इन आरोपों की पुष्टि की कि बिजेड़ी मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए भारी मात्रा में पैसे बांट रही है । उनकी गाड़ी से करीब 13 लाख रुपये बरामद किये गये हैं ।यह बताया गया है कि ये बिजेड़ी नेत्री अपूर्बा अपरूपा है। कल भुवनेश्वर लौटते समय उनका वाहन ओल्ड कटक थाना अंतर्गत करदाकोठा में चेकिंग में पकड़ा गया। जिस गाड़ी से पैसे जब्त किए गए उसका नंबर 'OD02BM1517' है और यह गाड़ी अरूप दास के नाम पर रजिस्टर्ड है ।

सिंघवी को इनाम, स्वाति को बदनाम कर राज्यसभा सांसद की जगह देने की है केजरीवाल की प्लानिंग

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

दिल्ली से राज्यसभा सांसद और पूर्व दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल के साथ सीएम आवास पर हुए झगडे ,मारपीट की जड में केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी को बडा इनाम देने की प्लानिंग है। दरअसल सिंघवी कथित शराब घोटाले से जुडे मनी लांड्रिंग केस में सुप्रीमकोर्ट से अंतरिम जमानत दिलवाने में ट्रायाल कोर्ट से लेकर सुप्रीमकोर्ट तक में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पैरवी कर रहे है। अभिषेक मनु सिंघवी की जोरदार बहस और दलीलों के चलते बेंच ने सीएम केजरीवाल को बडी राहत देते हुए उन्हें अंतरिम जमानत दी है। ताकि वह चुनाव प्रचार में शामिल हो सके। अब उसी एहसान तले दबे केजरीवाल अभिषेक मनु सिंघवी को बडा तोहफा देने के तहत राज्यसभा सांसद बनाने की प्लानिंग है। इसी प्लानिंग के चलते केजरीवाल ने स्वाति मालीवाल से संसद के उच्च सदन से इस्तीफा देने को कहा है। ताकि सिंघवी को दिल्ली कोटे से राज्यसभा भेजा जा सके। गौरतलब है कि दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने जनवरी में आम आदमी पार्टी की ओर से राज्यसभा सदस्यता की शपथ ली थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम केजरीवाल ने अब स्वाति मालीवाल से राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने को कह दिया है। इसी बात से गुस्साई स्वाति मालीवाल सीएम आवास में मुलाकात करने गई थी। आरोप है कि वहां केजरीवाल के निजी आफिसर विभव कुमार ने उनसे इस्तीफा देने की बात की होगी। साथ ही बदसलूकी भी की। मिडिया रिपोर्ट और पार्टी सूत्रों के मुताबिक अब केजरीवाल ने स्वाति मालीवाल को संदेशा भिजवा कर कहा गया है कि उनको पंजाब से राज्यसभा में भेजा जाएगा। आप पार्टी का मानना है कि पंजाब से पार्टी के कोटे से राज्यसभा भेजे गए पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह राज्यसभा से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हो सकते हैं। ऐसे में केजरीवाल की प्लानिंग के मुताबिक स्वाति मालीवाल को पंजाब से राज्यसभा में एडजस्ट किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्वाति मालीवाल ने माना कि मुझे पार्टी से किनारे करने का प्लान है। दरअसल अभिषेक मनु सिंघवी ही केजरीवाल के कथित शराब घोटाला मामले में आगे भी पैरवी करेंगे। इसी के मद्देनजर ही केजरीवाल ने सिंघवी को इनाम में बतौर राज्यसभा की सीट आफर की है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023